राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 68 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरूवार 15 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

ममता सरकार का दावा, एक 85 लाख तीर्थ यात्रियों ने किया पुण्य स्नान

सागरद्वीप । मकर संक्राति के पुण्यकाल में गंगा व सागर के संगम में अब तक 85 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने मोक्ष की डुबकी लगाई। आज राज्य के मंत्री अरुप विस्वास ने उक्त दावा किया और कहा कि, अभी भी व्यापक संख्या में तीर्थयात्री पुण्य स्नान करेंगे। आज शाम संवाददाता सम्मेलन में राज्य के मंत्री अरुप विस्वास ने एक बार फिर ममता सरकार की व्यवस्था को उत्तम के साथ ही चाक चौबंद बताते हुए दावा किया कि, अब गंगासागर की यात्रा सुगम हो गई है। लेकिन स्थानीय लोगों व दुकानदारों ने नाम की गोपनियता पर उक्त दावे पर संदेह व्यक्त किया। मेले में आज असम निवासी एक पुण्यार्थी मिठू मंडल (51) की मौत हो गई है। जबकि अबतक 5 तीर्थयात्री जो गंभीर तौर पर बीमार हुए थे को एयर लिफ्ट कर इलाज के लिए कोलकाता भेजा गया। आज दो बीमार पुण्यार्थी बिहार के दरभंगा जिले की निवासी व बिहार के पूर्वी चम्पारण की निवासी पुण्यार्थी प्रेमाकाति देवी (72) को एयर लिफ्ट कर इलाज के लिए कोलकाता भेजा गया। 14 जनवरी के दोपहर से ही तीर्थयात्री पुण्यस्नान के लिए सागर तट पर जमा हुए। आज तड़के से ही सारा दिन पुण्यार्थी पुण्य स्नान करते नजर आये। सरकारी तौर पर मकर संक्राति का पुण्यकाल आज दोपहर 1.19 बजे से कथित तौर पर शुरु हुआ जो कि 15 जनवरी दोपहर 1.19 बजे तक है। पुण्य स्नान के बाद पुण्यार्थियों ने लम्बी कतार में खड़े होकर श्री हरि अवतार कपिलमुनि का दर्शन करते रहें और फिर अपने घरों की ओर जाने के लिये उतावले दिखें। भारी संख्या में पुण्यार्थियों का जत्था बस स्टैंड की रवाना होता रहा जिसके कारण व्यापक जाम देखा गया।

ट्रंप के बयानों से भड़का ईरान, अमेरिका पर हिंसा भड़काने का आरोप; संयुक्त राष्ट्र को लिखा पत्र

वॉशिंगटन । ईरान इस समय आंतरिक अशांति और हिंसा के दौर से गुजर रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए ईरान ने संयुक्त राष्ट्र का दरवाजा खटखटाया है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष अबुकर दाहिर उस्मान को पत्र लिखकर अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका उसके देश में हिंसा को भड़काने और बल प्रयोग की धमकी दे रहा है। पत्र में संयुक्त राष्ट्र महासचिव और सुरक्षा परिषद से अमेरिका की ओर से दिए गए उकसाऊ बयानों और धमकियों की निंदा करने की मांग की गई है। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने लिखा था- ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखें। अपनी संस्थाओं पर कब्जा करें। मदद आ रही है। ईरान का कहना है कि इस तरह के बयान उसके आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप हैं। इसी बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाली सभी बैठकों को रद्द कर दिया है। डेट्रॉइट इकोनॉमिक क्लब में संबोधन के दौरान ट्रंप ने कहा कि यह फैसला ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा, जब तक प्रदर्शनकारियों की बेमतलब हत्याएं बंद नहीं होती, मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। यह बयान उस घोषणा के एक दिन बाद आया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर अमेरिका के साथ होने वाले सभी व्यावसायिक लेन-देन पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।

नाटो टूटने के खतरे पर कहा- हमारे बिना वह कुछ भी नहीं

ग्रीनलैंड पर कब्जे से कम कुछ मंजूर नहीं - ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा होना जरूरी है और इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। उन्होंने बुधवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा- अमेरिका को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है।

ट्रम्प ने लिखा कि इस मामले में नाटो को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल नहीं किया, तो रूस या चीन वहां अपना असर बढ़ा सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड, अमेरिका के हाथ में होता है तो नाटोकहीं ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली बन जाएगा। नाटोटूटने के खतरे पर ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका की बड़ी सैन्य ताकत के बिना यह

संगठन कुछ भी नहीं है।

दरअसल डेनमार्क की पीएम ने कुछ दिन पहले कहा था कि अमेरिका ने जबरदस्ती ग्रीनलैंड पर कब्जा किया तो नाटो टूट सकता है।

ग्रीनलैंड बोला- अमेरिका नहीं डेनमार्क को चुनेंगे

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि अगर ग्रीनलैंड को अमेरिका और डेनमार्क में से किसी एक को चुनना पड़े, तो वह डेनमार्क को चुनेगा। उन्होंने यह बयान ऐसे वक्त पर दिया जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी दे रहे हैं।

नीलसन ने 13 जनवरी को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। उनका बयान अमेरिका की संसद में ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने से जुड़े बिल के पेश होने के बाद पहला आधिकारिक बयान है।

नीलसन के बयान पर ट्रम्प ने कहा कि मैं उन्हें नहीं जानता और इस बात पर उनसे सहमत नहीं हूं।। ये प्रधानमंत्री के लिए बड़ी समस्या बन सकता है।

अमेरिकी संसद में 12 जनवरी को 'ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट' नाम का बिल पेश किया गया था। इसका मकसद ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करना और बाद में उसे अमेरिका का राज्य बनाना है। अगर यह बिल पास होता है, तो ग्रीनलैंड अमेरिका का 51वां राज्य बन सकता है।

नीलसन ने कहा कि डेनिश कॉमनवेल्थ का हिस्सा होने के नाते ग्रीनलैंड नाटो का सदस्य है और इसलिए ग्रीनलैंड की रक्षा नाटो को ही करनी चाहिए। वहीं डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अपने सबसे करीबी सहयोगी से मिल रहे इस तरह के प्रेशर का सामना करना आसान नहीं है।

उन्होंने ये भी कहा कि हमें कई संकेत मिल रहे हैं कि ग्रीनलैंड के लिहाज से सबसे मुश्किल दौर आने वाला है।

पीएम मोदी का पत्र : संक्रांति आशा का प्रतीक, पोंगल श्रम-प्रकृति का उत्सव, माघ बिहू भाईचारे और कृतज्ञता का त्योहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस खास अवसर पर देशवासियों के नाम एक पत्र लिखा। पीएम मोदी ने देशवासियों को पत्र लिखकर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, संक्रांति आशा और सकारात्मकता का प्रतीक है, जब सूर्य की गति नए बदलावों का संकेत देती है। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में, लेकिन उसी उत्साह के साथ मनाया जाने वाला यह त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि को दर्शाता है और हमें उस एकजुटता की भावना की याद दिलाता है जो हम सभी को एक साथ बांधती है। पीएम मोदी ने किसान और उनके परिवारों के त्योहार का विशेष महत्व बताते हुए लिखा, यह त्योहार हमारे किसानों और उनके परिवारों के जीवन में भी एक विशेष स्थान रखता है। यह उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है जो हमें पोषण देते हैं, जिससे हमारा समाज मजबूत होता है।

नशे में थे जुबीन गर्ग, लाइफ जैकेट पहनने से कर दिया था इनकार

सिंगापुर की अदालत में जांच अधिकारी का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की मौत का मामला अभी भी सुलझा नहीं है। अब इस मामले में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। सिंगर की मौत सिंगापुर में हुई थी। अब सिंगापुर की एक अदालत को मुख्य जांच अधिकारी की ओर से आज बताया गया कि जुबीन गर्ग पिछले सितंबर में लाजरस द्वीप के पास अत्यधिक नशे में थे और लाइफजैकेट पहनने से इनकार करने के बाद डूब गए थे।

चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य जांच अधिकारी

ने अदालत को जांच की शुरुआत में बताया कि गायक ने पहले लाइफ जैकेट पहनी थी। लेकिन बाद में उसे उतार दिया और फिर उन्हें दी गई दूसरी लाइफजैकेट पहनने से भी इनकार कर दिया। चैनल ने अधिकारी के हवाले से बताया कि उस समय जुबीन गर्ग अत्यधिक नशे में थे और कई गवाहों ने उन्हें नौका की ओर वापस तैरने की कोशिश करते देखा। जब वे बेहोश हो गए और उनका चेहरा पानी में डूब गया। गर्ग को तुरंत नौका पर वापस लाया गया और उन्हें कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिया गया, लेकिन उसी दिन बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

अदालत को यह भी बताया गया कि जुबीन को हाई ब्लडप्रेशर और मिर्गी की बीमारी थी। जानकारी में उनको आखिरी मिर्गी का दौरा 2024 में पड़ा था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि घटना वाले दिन उन्होंने मिर्गी की अपनी नियमित दवा ली थी या नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर पुलिस को उनकी मौत में किसी भी प्रकार की साजिश का संदेह नहीं है।

थाईलैंड में क्रेन गिरने के कारण पटरी से उतरी ट्रेन, 29 लोगों की मौत; 30 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निर्माणाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 29 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी

बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है। स्थानीय पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालांकि बाद में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 29 हो गया। हादसे का शिकार हुई रेलगाड़ी उबोन रतचथानी प्रांत जा रही थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माणाधीन हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट का काम चल रहा था, जिस पर क्रेन काम में लगी थी, जब वहां से ट्रेन गुजर रही थी, तभी क्रेन वहां से गुजर रही ट्रेन पर गिर गई।

शाहीन सईद सहित चार आरोपियों की हिरासत बढ़ी, कोर्ट ने तीन दिनों तक हिरासत में भेजा

दिल्ली ब्लास्ट मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने डॉक्टर शाहीन, मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी, डॉ. अदील अहमद और मुजम्मिल को भी 3 दिनों की राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने मंगलवार को ही कोर्ट से डॉ. शाहीन की पुलिस रिमांड मांगी थी। डॉ. शाहीन को पिछले महीने पटियाला हाउस कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा था। एनआईए का कहना है कि हिरासत बढ़ाने का उद्देश्य आरोपी से विस्तृत पूछताछ करना और विस्फोट के पीछे के नेटवर्क को उजागर करना है। एजेंसी जांच में यह पता लगा रही है कि किस तरह से विस्फोट की योजना बनाई गई, सहयोगी कौन थे और हथियार एवं विस्फोटक सामग्री कैसे जुटाई गई।

एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है। अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल शकील गनी, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं।

केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर एनआईए पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी है। जांच में विदेशी हैंडलरों के लिंक भी सामने आ रहे हैं। यह गिरफ्तारी मामले में बड़ा कदम मानी जा रही है और आगे और खुलासे होने की उम्मीद है। इस हमले ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, पंजाब, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक शीतलहर; 16 से मैदानी इलाकों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में भीषण ठंड ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में पूरा उत्तर भारत आ गया है। बीती सुबह दिल्ली में पिछले तीन वर्षों की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई, जब न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। ठंडी हवाओं और कोहरे के चलते लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। हालात को देखते हुए मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान के सीकर में भीषण सड़क हादसा, सभी महिलाएं फतेहपुर निवासी

ट्रक और कार की भिड़ंत में छह महिलाओं की मौत, तीन लोग गंभीर घायल

सीकर(एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे फतेहपुर कस्बे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को शोक में डुबो दिया। फतेहपुर उपखंड क्षेत्र के हरसावा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर कार और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें फतेहपुर निवासी 6 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह तहस-नहस हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस व एंबुलेंस की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

थानाधिकारी सुरेंद्र देगड़ा ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान संतोष पत्नी सत्यनारायण माली, तुलसी

देवी पत्नी ललित, मोहन देवी पत्नी महेश, इन्द्रा पुत्री महेश, आशा पत्नी मुरारी और चंदा पत्नी सुरेन्द्र के रूप में हुई है।

सभी महिलाएं फतेहपुर क्षेत्र की रहने वाली थीं और रघुनाथपुर से लक्ष्मणगढ़ किसी बैठक में शामिल होकर कार से वापस लौट रही थीं। इसी दौरान हरसावा गांव के पास ह॥-52 पर तेज रफ्तार ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनकी पहचान वशीम पुत्र मनीर खां, सोनू पुत्री सुरेन्द्र और बरखा पत्नी ओमप्रकाश के रूप में हुई है. हादसे के तुरंत बाद घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से एंबुलेंस के माध्यम से फतेहपुर के राजकीय उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने सीकर रेफर कर दिया।

दुर्घटना के बाद हाईवे पर लगा जाम, पुलिस ने संभाला मोर्चा

हादसे के बाद हाईवे-52 पर करीब आधे घंटे तक वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही फतेहपुर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ट्रक और कार को सड़क से हटवाया और यातायात को सुचारु करवाया। मृतकों के शवों को फतेहपुर के राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम की कार्यवाई सोमवार सुबह होने की संभावना है।

खबर-खास

अवैध धान परिवहन मामले में कार्यवाही, पटवारी लालकृष्ण देवांगन पर निलंबन की गिरी गाज

बसना (समय दर्शन)। राजस्व पटवारी संघ तहसील बसना के पत्रानुसार पटवारी लालकृष्ण देवांगन द्वारा अवैध धान परिवहन की रोकथाम के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार श्री देवांगन, तत्कालीन पटवारी हल्का नंबर 20 तहसील बसना द्वारा 21 दिसंबर 2025 की रात्रि में ग्राम उमरिया क्षेत्र में ओड़िशा के वाहन से 420 कट्टा धान जिसे अन्य पटवारियों द्वारा पकड़ा गया था, जिसे पटवारी देवांगन द्वारा अवैध व दबंगई पूर्वक परिवहन कराते पाया गया था।

इस घटना का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में भी हुआ, जिससे शासन-प्रशासन की छवि धूमिल हुई। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना द्वारा 8 जनवरी 2026 को संबंधित पटवारी को कारण बताओ सूचना जारी की गई थी। प्राप्त जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर यह स्पष्ट हुआ कि लालकृष्ण देवांगन द्वारा कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही बरती गई है। फलस्वरूप, उनके कदाचरण, अनुशासनहीनता एवं शासकीय कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही को देखते हुए छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली भाग-एक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 09 के उपनियम (1)(क) के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना हरीशंकर पैंकरा द्वारा लालकृष्ण देवांगन, पटवारी (तत्कालीन प.ह.नं.-20, वर्तमान प.ह.नं.-42 तहसील बसना) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय बसना नियत किया गया है तथा नियमानुसार उन्हें जीवन-निर्वाह भत्ता देय होगा।

अन्नदाताओ को रागी की निः शुल्क बीज उपलब्ध करा रही है शासन-त्रिलोचन

बसना (समय दर्शन)। उपसंचालक कृषि महासमुंद फागूराम कश्यप के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी सरायपाली विवेक पटेल व वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उषाकांति खेस के मार्गदर्शन से बसना विकासखंड में रागी की फसल लहलहाने वाली है जिस हेतु प्रयास जोरों पर है कृषि विभाग मैदानी अमला रागी (मडिया) फसल का प्रचार - प्रसार जोरो से कर रहा है, नवागांव (गनकेरा), बसना में रागी प्रोसेसिंग यूनिट का भी स्थापना किया जा रहा है ताकि रागी के खरीदी उचित मूल्य पर सुनिश्चित की जा सके ।

राज्य सरकार की मनसा अनुसार श्रीअन्न (मोटे अनाज) का महत्व किसानों और जन - सामान्य के बीच साधारण चर्चा का विषय बना हुआ है । कृषि विभाग बसना के कर्मचारी लगातार निःशुल्क बीज वितरण कर किसानों को प्रोत्साहन का कार्य लगातार कर रहे हैं । ग्राम पंचायत हवेकांटा सरपंच त्रिलोचन भोई का कहना है कि यह किसानों के लिए सराहनीय पहल राज्य सरकार एवं कृषि विभाग बसना के द्वारा किया जा रहा है जिसमें किसानों को निःशुल्क बीज वितरण एवं समसामयिक जानकारी प्रदान की जा रही है बिजराभांठा, भैंसाखुरी, में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व देवेंद्र निषाद ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से बीज वितरण कार्य किया जा है । ग्राम हवेकांटा के लाभान्वित कृषक प्रकाश बेहरा, परशुराम यादव, हेमंत बेहरा, रोहित प्रधान, कौशल प्रधान, विभाई भोई, गजेंद्र बेहरा, किरण भोई, हलधर बेहरा एवं मेघनाथ।

चाईनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध, पर्यावरण संरक्षण मंडल की आम जनता से अपील

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर के द्वारा 25 फरवरी 2017 को अधिसूचना जारी कर नायलोन, सिंथेटिक अथवा किसी भी प्रकार के धारदार पदार्थ युक्त धागे चाईनीज मांझा के उत्पादन, विक्रय, भंडारण, आपूर्ति एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। पर्यावरण संरक्षण मंडल से प्राप्त जानकारी अनुसार चाईनीज मांझे के कारण लगातार गंभीर दुर्घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, वहीं कुछ मामलों में जान तक चली गई है। खासतौर पर दोपहिया वाहन चालकों, बच्चों के लिए यह मांझा अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। पर्यावरण संरक्षण मंडल ने आम नागरिकों से अपील की है कि पतंग उड़ाने के दौरान चाईनीज मांझे का उपयोग बिल्कुल न करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत बहेराबुड़ा के आश्रित ग्राम भेजराडीह में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान सीईओ ने सरपंच एवं ग्राम पटेल सहित अन्य ग्रामवासियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों से शौचालयों के नियमित उपयोग के बारे में जानकारी ली और संबंधितो को इनके सही ढंग से रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत घुटकूनवापारा में मनरेगा के तहत स्वीकृत नाली मरम्मत एवं गहरीकरण कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए।

शौचालयों के साथ-साथ सीईओ ने गांव में निर्माणाधीन आवासों का भी जायजा लिया। उन्होंने हितग्राहियों और विभागीय कर्मचारियों को निर्देश दिया कि आवासों का निर्माण कार्य समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए।प्रधानमंत्री जनमन योजना के प्रति संजीदगी दिखाते हुए सीईओ प्रखर चंद्राकर ग्राम पंचायत हरदी पहुंचे। यहाँ उन्होंने निर्माणाधीन जनमन आवासों का घर-घर जाकर निरीक्षण किया।

उन्होंने हितग्राहियों से बात की और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि आवास निर्माण का कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए ताकि पात्र परिवारों को जल्द से जल्द छत मिल सके।

स्वास्थ्य सुविधाओं का औचक निरीक्षण दौरे के दौरान उन्होंने स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र का भी औचक निरीक्षण किया।उन्होंने केंद्र में दवाइयों की उपलब्धता स्टाफ की उपस्थिति और साफ-सफाई की व्यवस्था देखी,ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

कच्चे घर से पक्के घर का सफर : प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से साकार हुआ रमेश कुमार खटकर का सपना

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले के जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंहदी निवासी श्री रमेश कुमार खटकर एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। सीमित संसाधनों, अनिश्चित आय और रोज़मर्रा की आवश्यकताओं के बीच उनका जीवन लंबे समय तक संघर्षों से भरा रहा। कच्चा मकान होने के कारण बरसात में टपकती छत, गर्मी में झुलसता घर और सर्दी में ठिठुरता परिवार हर मौसम उनके लिए एक नई चुनौती बनकर आता था।

इन कठिन परिस्थितियों के बावजूद श्री खटकर ने कभी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा बनाए रखा और निरंतर प्रयास करते रहे। इसी विश्वास और मेहनत का परिणाम यह हुआ कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 1,20,000 रुपये की राशि स्वीकृत हुई। यह सहायता केवल एक पक्का मकान नहीं थी, बल्कि वर्षों के कष्ट, असुरक्षा का समाधान था। साथ ही महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत 21,800 रूपए की मजदूरी से उन्हें रोजगार मिला, जिससे पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिला। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शौचालय निर्माण से परिवार को स्वच्छता के साथ-साथ सम्मानजनक जीवन मिला। वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन मिलने से रसोईघर में धुएँ से भरी जिंदगी से मुक्ति मिली।

सहायक परिक्षेत्र अधिकारी का अधूरे भवन निर्माण का जवाबदार कोई अधिकारी नहीं

गरियाबंद (समय दर्शन)। शासन द्वारा विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के निवास के लिए भवन निर्माण को लेकर लाखों रुपया आबंटित तो किया जाता है, लेकिन विभाग के अधिकारी जिन्हें भवन निर्माण का गुर मालूम नहीं होता और वे अधिकारी अपने जवाबदारी में भवन निर्माण तो प्रारंभ कर देते है लेकिन वो भवन पूरा नहीं हो पाता जिसके चलते उन अधिकारियों के निवास की परेशानी तो होती ही है साथ ही राज्य शासन का लाखों रूपये की मट्टी में चला जाता है।ऐसा ही मामला गरियाबंद वन मंडल परसूली परिक्षेत्र में देखने को मिला जहां शासन द्वारा सहायक परिक्षेत्र अधिकारी और वनपाल के निवास के लिए भवन निर्माण को लेकर एक भवन के अनुसार छै से सात लाख रुपए आबंटित कर तीन भवन का

निर्माण किया जाना था,लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी की अदूरदर्शिता के चलते कई वर्षों से अधूरे बने तीनों भवन आज लोकार्पण होने के पहले ही जर्जर स्थिति में पहुंच गया है।

ज्ञात हो कि परसुली परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मदनपुर, लिटीपारा और कुड़ेरा दादर तीन सहायक परिक्षेत्र अधिकारी भवन बनाया जाना था,वो कार्य परिक्षेत्र अधिकारी की देखरेख में प्रारंभ तो किया गया लेकिन पूर्ण होने के पहले ही उन तीनों भवन निर्माण के कार्य को बंद कर दिया गया जो आज तीन से चार वर्ष हो गया वही अब के तिथि में वे तीनों भवन लोकार्पण होने के पहले ही जर्जर स्थिति में पहुंच रहा है जिसे देखने वाला कोई नहीं है और न ही कार्य पूर्ण कर उस भवन को रहने लायक बनाया जा रहा है।इस विषय में परिक्षेत्र अधिकारी एस पी ध्रुव से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मेरे से दो तीन परिक्षेत्र अधिकारी पूर्व के समय का है,हा वहा टाइल्स नहीं लगा है फाइनल पूरा कार्य नहीं हो पाया है,बाकी मै फाइल देखकर बता सकता हु।वही कार्य करा रहे पूर्व के तात्कालीन परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्र साहू से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरे कार्य के बाद कई परिक्षेत्र अधिकारी वहां आ गए वे क्यों जवाबदेही नहीं होते,जितना कार्य होना था हो गया गया,बाकी कार्य को कुछ दिन में अपने राशि से करवा दूंगा।

मुर्गी पालन से बेरोजगारी को दी मात, ग्रामीण युवक बना स्वरोजगार का प्रेरक उदाहरण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। कोरोना महामारी के दौरान नौकरी छोड़कर मुर्गी पालन में कदम रखने वाले धनेश्वर वर्मा आज ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के एक सफल उदाहरण बन गए हैं। राजनांदगांव जिले के ग्राम विष्णुपुर, गातापार कला के निवासी धनेश्वर वर्मा ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से मुर्गी पालन व्यवसाय में सफलता प्राप्त की और अब वे न केवल खुद आत्मनिर्भर हैं, बल्कि गांव के अन्य युवाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

पढ़ाई छोड़ कर मुर्गी पालन की ओर रुख किया

धनेश्वर वर्मा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई बीए और आईटीआई तक की और रायपुर में एक प्राइवेट कंपनी में सर्विस इंजीनियर के रूप में काम किया। लेकिन जब कोरोना महामारी ने जॉब बाजार को प्रभावित किया, तो उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और अपने गांव लौटकर मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत में उनके पास सिर्फ40 सोनाली मुर्गियां थीं, लेकिन आज उनकी मुर्गी फार्म की संख्या बढ़कर 3000 हो गई है।

वर्मा बताते हैं कि जब फार्म में बीमारी फैली और मुर्गियां मरने लगीं, तो उन्होंने हार नहीं मानी। मरी हुई मुर्गियों का पोस्टमॉर्टम कराकर डॉक्टर से इलाज करवाया और बीमारी पर काबू पाया। डॉ. तरुण रामटेके के मार्गदर्शन से उन्होंने अपने फार्म की संख्या को धीरे-धीरे बढ़ाया और आज वह सफल मुर्गी पालनकर्ता बन गए हैं।

वर्मा के फार्म में तीन माह में एक किलोग्राम वजनी मुर्गियां तैयार हो जाती हैं। इसके बदले में उन्हें तीन माह में 2.5 लाख रुपये का मुनाफा होता है। और प्रतिमाह 70-80 हजार रुपये की शुद्ध आय होती है।

पशु चिकित्सकों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण

जिला पशु चिकित्सालय के डॉ. तरुण रामटेके कहते हैं, गांव में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन सही मार्गदर्शन का अभाव होता है। धनेश्वर वर्मा ने मुर्गी पालन में सफलता पाने के लिए जो मेहनत की है, वह दूसरों के लिए एक प्रेरणा है, जो भी मुर्गी पालन व्यवसाय शुरू करना चाहता है, उसे पहले कम संख्या में मुर्गियों से शुरुआत करनी चाहिए, फिर धीरे-धीरे बर्ड की संख्या बढ़ानी चाहिए। साथ ही समय-समय पर टीकाकरण और पशु चिकित्सक से मार्गदर्शन लेना जरूरी है।

धनेश्वर वर्मा की सफलता से न सिर्फ वे स्वयं आत्मनिर्भर हुए हैं, बल्कि उन्होंने अपने गांव और आसपास के इलाकों में स्वरोजगार की एक नई राह दिखाई है। आज वह लगभग आधे एकड़ में फार्म बनाकर मुर्गी पालन कर रहे हैं और अपने अनुभवों को अन्य युवाओं के साथ साझा कर उन्हें भी इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

धनेश्वर वर्मा का यह कदम यह साबित करता है कि अगर मेहनत और सही दिशा में काम किया जाए, तो किसी भी व्यवसाय में सफलता मिल सकती है।

जिले में जमीन की गाइडलाइन दरों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया जारी, उप जिला स्तर पर समीक्षा कार्य प्रगतिरत

बेमेतरा। जिले में जमीन की सरकारी दरों (गाइडलाइन) के पुनरीक्षण को लेकर आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया निरंतर प्रगतिरत है। शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत भूमि की गाइडलाइन दरों का परीक्षण एवं प्रस्ताव पहले उप जिला मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाता है, जिसके पश्चात जिला मूल्यांकन समिति द्वारा अनुमोदन उपरांत प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन समिति को प्रेषित किया जाता है। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा 03 जनवरी 2025 को जारी पत्र के परिपालन में कलेक्टर बेमेतरा द्वारा उप जिला मूल्यांकन समिति के अध्यक्षों एवं अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को नवीन गाइडलाइन दरों की समीक्षा कर संशोधन प्रस्ताव भेजने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इस संबंध में कलेक्टर कार्यालय (पंजीयन शाखा) बेमेतरा द्वारा दिनांक 12 जनवरी 2026 को संबंधित अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया गया है। वर्तमान में उप जिला मूल्यांकन समितियों द्वारा गाइडलाइन दरों के पुनरीक्षण एवं समीक्षा की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

कोई न करे आत्महत्या, नहीं मिलेगा न्याय

बिलासपुर (समय दर्शन)। नैतिक, धार्मिक , कानूनी किसी भी पहलू से देखें आत्महत्या अनुकरणीय उचित नहीं कहीं जा सकती पर हमारा विषय उस पहलू पर चर्चा करना नहीं है। हम यह कह रहे हैं कि बिलासपुर जिले में एक से अधिक उदाहरण इस बात के हैं कि जिन्होंने भी आत्महत्या की, सुसाइड नोट लिखें या फेसबुक पर लाइव होकर कुछ कहा किसी भी मामले में पुलिस की जांच निष्पक्ष और वैसे व नहीं कहीं जा सकती। पहला मामला हाल ही का है गणेश साहू इस आत्महत्या प्रकरण में लिखाई गई एफआईआर स्वयं ही संदेह के घेरे में हैं। किसी अन्य वजह से अल्पसंख्यक समुदाय के एंगल को ठोका गया। निपटो या निपटादो के ही समीकरण से सरकंडा थाने में सेकंड एपिसोड एफआईआर बलात्कार भी बना है। तो यह कहानी तो अभी चल रही है। इसके पूर्व सकरी थाना क्षेत्र में कुम्हारपारा निवासी पेसे से ड्राइवर जो अकबर खान नाम के एक व्यक्ति का ड्राइवर था ने अपनी बुआ के घर जाकर आत्महत्या की आत्महत्या करने वाले के पिता आज भी दोषियों के विरुद्ध कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। जिसका भी नाम आया वह बड़ी अदालतों में जाकर कानूनी दांव-पेंच लगाकर बच रहे हैं।

शनिचरी रप्टा के पास एक अल्पसंख्यक समुदाय के नागरिक ने आत्महत्या की जमीनी विवाद था। जिन दो लोगों पर पीड़ित ने आरोप लगाए थे बहुत दिनों तक अपनी पकड़ के आधार पर बचे रहे प्रकरण बेहद कमजोर हो गया यह मामला कोतवाली थाने का है। साईं बाबा श्रीकांत वर्मा मार्ग में रहने वाली मध्यम वर्ग परिवार की महिला जिसका पति रेलवे में अच्छे खासे वेतन वाले पद पर कार्यरत था फेसबुक लाइव होकर दोषियों का नाम बताते हुए अपनी जीवन डगर छोड़ दी पर शुरुआती सक्रियता के बाद जांच कहां गायब हुई किसी को दोषी नहीं पाया गया पिछले एक दशक में आत्महत्या प्रकरणों को अगर लिखने बैठे तो जांच एजेंसी के पेशेवर ईमानदारी पर थीसिस लिखी जा सकती है। इससे ज्यादा कहना उचित नहीं होगा।

जनपद पंचायत छुरा में घमासान प्रभारी सीईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप, अध्यक्ष ने बताया बेबुनियाद

बैठक छोड़ भड़के जनप्रतिनिधि,तो प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीरा ठाकुर ने किया खुला बचाव

गरियाबंद (समय दर्शन)। जनपद पंचायत छुरा में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सतीष चन्द्रवंशी को लेकर सियासी और प्रशासनिक संग्राम छिड़ गया है।सामान्य प्रशासन समिति की बैठक के दौरान जनपद उपाध्यक्ष कुलेश्वर सोनवानी सहित कई जनपद सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार करते हुए सीईओ पर गंभीर आरोप लगाए, वहीं प्रकाशित खबरों के बाद जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

बैठक छोड़कर फूट पड़ा आक्रोश

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक के बीच जनपद उपाध्यक्ष कुलेश्वर सोनवानी,सभापतियों और जनपद सदस्यों ने प्रभारी सीईओ की कार्यप्रणाली पर नाराज़गी जताते हुए बैठक छोड़ दी।बाहर आकर उन्होंने मीडिया को बताया कि बीते दस महीनों में जनपद पंचायत की बैठकों में पारित किसी भी प्रस्ताव पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।उपाध्यक्ष सोनवानी ने आरोप लगाया कि बैठकों में दी जाने वाली लिखित जानकारी में सीईओ के हस्ताक्षर तक नहीं होते, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं।उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत छुरा भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है,जहां फर्जी बिल-वाउचर के जरिए लाखों रुपए का आहरण किया जा रहा है।

पीएम आवास, वाहन व्यय और वसूली के आरोप

जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना में कथित भ्रष्टाचार, लसरपंच-सचिवों से वसूली,वाहन व्यय के नाम पर फर्जी भुगतान तथा जनपद सदस्यों के आवेदनों की अनदेखी जैसे गंभीर आरोप लगाए।इतना ही नहीं,उन्होंने छत्तीसगढ़

उच्च न्यायालय द्वारा रद्द की गई नियुक्ति को पुनः काम पर लिए जाने का आरोप लगाते हुए इसे न्यायालय के आदेश की अवहेलना बताया।

जनपद सदस्यों ने चेतावनी दी कि यदि प्रभारी सीईओ को तत्काल नहीं हटाया गया तो वे मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर पूरे मामले की शिकायत करेंगे और आवश्यकता पड़ी तो सरपंचों के साथ धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा।

अध्यक्ष का पलटवार : आरोप पूरी तरह निराधार

विवाद तूल पकड़ने के बाद जनपद पंचायत छुरा की अध्यक्ष मीरा ठाकुर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रभारी सीईओ पर लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद और तथ्यहीन बताया।मीरा ठाकुर ने कहा कि जनपद पंचायत में सभी कार्य शासन के नियमों,प्रक्रियाओं और दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ किए जा रहे हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता या पक्षपात का सवाल ही नहीं उठता।उन्होंने आरोपों को जनपद पंचायत की छवि धूमिल करने और भ्रम फैलाने का प्रयास बताते हुए कहा कि इनके समर्थन में कोई ठोस आधार या प्रमाण नहीं है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनता के हित से जुड़े विकास कार्यों को राजनीतिक रंग देना दुर्भाग्यपूर्ण है।

विकास कार्य नहीं रुकेंगे

प्रेस विज्ञप्ति में जनपद अध्यक्ष ने कहा कि जनपद पंचायत विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ रही है और किसी भी प्रकार की अफवाहों से काम प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान कई जनपद सदस्यों की उपस्थिति का भी उल्लेख किया गया।

प्रशासन की भूमिका पर टिकी निगाहें

जनपद पंचायत छुरा में एक ओर जनप्रतिनिधि प्रभारी सीईओ को हटाने पर अड़े हैं, तो दूसरी ओर जनपद अध्यक्ष खुलकर उनके समर्थन में सामने आ गई हैं। ऐसे में अब यह पूरा मामला जिला प्रशासन और शासन स्तर तक पहुंचता दिख रहा है।आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि प्रशासन इन आरोपों और खंडन के बीच क्या रुख अपनाता है।

सशक्त एप के माध्यम से लगातार पकड़े जा रहे हैं चोरी के वाहन

दुर्ग। दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार चोरी की घटनाओं को अजाम देने वाले आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दस जनवरी को प्रार्थिया थाना आकर रिपोर्ट लिखायी कि उसकी स्कूटी होंडा एक्टिवा क्रमांक सीजी 07 बीडी 3682 कलर सफेद जिसका इंजन नं. जेएफ50ई73305243 एवं चेचिस नं. एमई4जेएफ505जेजी7306002 है, जो प्रार्थिया के मां के नाम से पंजीकृत है जिसको प्रार्थिया चलाती है। दिनांक 07.01.2026 को प्रार्थिया घर से खाना बनाने के काम के लिये एन. सतीश कुमार भैय्या के यहां आई थी जो सड़क न. 24, क्वाटर न. 10/ सेक्टर 10 भिलाई में रहते है। अपनी गाड़ी को एन. सतीश कुमार भैय्या के घर के बाहर सुबह लगभग 07.30 बजे गेट के सामने में खड़ी कर घर के अंदर काम करने चली गई थी, काम करके जब घर जाने के लिये लगभग 08.00 बजे निकली तब देखा जिस स्थान पर अपनी गाड़ी को खड़ी की थी।

छत्तीसगढ़ सरकार की रामलला दर्शन योजना से अब तक 41 हजार से अधिक श्रद्धालु कर चुके हैं रामलला के दर्शन

राम-नाम की धुन पर 850 भक्त रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या रवाना पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने दिखाई हरी झंडी

रायपुर। सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर भारत गौरव ट्रेन आज दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम और काशी के लिए रवाना हुई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल और महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने हरी झंडी दिखाकर इस रामलला दर्शन योजना की स्पेशल ट्रेन को विदाई दी। स्टेशन पर माहौल भक्तिमय था, जहां जय श्री राम के नारे और भजन गुंजायमान हो रहे थे। जिला पंचायत अध्यक्ष, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, आईआरसीटीसी और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी भी मौजूद थे। पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने श्रद्धालुओं से व्यक्तिगत मुलाकात कर कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने रामलला दर्शन योजना के तहत सभी व्यवस्थाएं की हैं। आपको किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े, यही हमारा संकल्प है। अब तक 41 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को हमने राम दर्शन का सौभाग्य प्रदान किया है, और यह यात्रा आगे भी जारी रहेगी।

ट्रेन रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं में अपार उत्साह और भावुकता का माहौल था। कईयों की आंखें नम थीं, क्योंकि रामलला के दर्शन का लंबा इंतजार आज पूरा हो रहा था। स्थानीय निवासी श्रीमती राधा यादव ने जय सिया राम! कहते हुए कहा कि हमारे लिए यह सपने जैसा है। घर से राम जी के दर्शन तक मुफ्त यात्रा, भोजन और ठहरने की व्यवस्था से हम लोग गद्गद हैं। वहीं, युवा श्रद्धालु श्री अजय साहू कहते हैं कि काशी में गंगा स्नान और अयोध्या में रामलला दर्शन कर हम धन्य हो जाएंगे। सरकार का बहुत - बहुत आभार!

श्रद्धालुओं के लिए पूर्ण मुफ्त व्यवस्थाएं की हैं। आईआरसीटीसी, जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त प्रयास से ट्रेन में एसी कोच, स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन नाश्ता, दोपहर और रात का खाना, साफपानी और चाय-स्नैक्स की व्यवस्था की गई थी। अयोध्या पहुंचने पर राम मंदिर दर्शन, काशी में गंगा आरती, ठहरने के लिए अच्छे होटल, स्थानीय घूमने के लिए बसें और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। यात्रा के दौरान डॉक्टर, गाइड और सुरक्षा कर्मी साथ रहेंगे। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष देखभाल की गई है। स्टेशन पर रजिस्ट्रेशन, चेकअप और भोजन पैकेट की व्यवस्था की गई थी। यह सब राज्य सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रमाण है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस योजना में

पुष्प प्रदर्शनी 2026 में औषधीय पौधों की विशेष प्रस्तुति

रायपुर। राजधानी स्थित नेहरू-गांधी उद्यान में 09 से 11 जनवरी 2026 तक आयोजित प्रदेश स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी में वन विभाग की ओर से छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड ने सक्रिय भागीदारी की। प्रकृति की ओर सोसायटी द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में फूल, फ्लों, सब्जियों और बोनजाइ सहित कई प्रजातियों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। इसी दौरान बोर्ड द्वारा लगाए गए स्टॉल में छत्तीसगढ़ के वनों में मिलने वाले 50 स्थानीय औषधीय एवं सुगंधित पौधों का सजीव प्रदर्शन किया गया, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र था, जिसने प्रदर्शनी में आए प्रत्येक दर्शक का ध्यान अपनी ओर खींचा।

औषधि पादप बोर्ड और छत्तीसगढ़ औषधीय पादप बोर्ड के स्टॉल हमेशा आकर्षण का केंद्र रहे हैं क्योंकि वे औषधीय पौधों की प्रदर्शनी, मुफ्त वितरण, और उनके महत्व के बारे में जानकारी देकर लोगों को जागरूक करते हैं, खासकर छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में, जहाँ जैव विविधता और पारंपरिक औषधियों को बढ़ावा दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि औषधि पादप बोर्ड के कर्मियों ने दर्शकों को विस्तार से जानकारी दी कि कौन सा पौधा किस बीमारी में उपयोगी है। पौधों का वैज्ञानिक नाम क्या है, किस भाग का उपयोग किया जाना चाहिए और सही मात्रा व उपयोग का समय क्या होना चाहिए। यह जानकारी बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों सभी के लिए बेहद उपयोगी रही। प्रदर्शनी के दौरान आमजनों को रोजमर्रा की छोटी बीमारियों में काम आने वाले औषधीय पौधों की पहचान और उपयोग की जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं होम हर्बल गार्डन (नि:शुल्क औषधीय पौधा वितरण) तथा औषधीय एवं सुगंधित पौधों के कृषिकरण को बढ़ावा देने जैसे नवाचार से भी लोगों को अवगत कराया गया।

इस प्रदर्शनी में लगभग 50 हजार से अधिक लोगों ने बोर्ड द्वारा लगाए गए इस औषधीय पौधों के प्रदर्शन को देखा और सराहा। साथ ही आमजनों को जानकारी बढ़ाने हेतु प्रचार सामग्री भी वितरित की गई। यह पहल राज्य में पारंपरिक वन-औषधि ज्ञान को बढ़ावा देने और लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से वीर शहीद दीपक भारद्वाज स्मृति समिति के सदस्यों की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कीर्ति चक्र विजेता वीर शहीद दीपक भारद्वाज स्मृति समिति के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को वीर अमर शहीद दीपक भारद्वाज की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने वीर शहीद दीपक भारद्वाज के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन और कर्तव्यनिष्ठा देश एवं प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान करना और उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखना हम सभी का कर्तव्य है। उल्लेखनीय है कि 3 अप्रैल 2021 को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले अंतर्गत तर्रेम थाना क्षेत्र के टेकलगुड़ा में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 22 जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। इनमें सब-इंस्पेक्टर पुलिस दीपक भारद्वाज भी शामिल थे, जिन्होंने अद्वितीय वीरता का परिचय

देते हुए मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद दीपक भारद्वाज के असाधारण पराक्रम और बलिदान को सम्मानित करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। 9 मई 2023 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। वीर शहीद दीपक भारद्वाज की प्रतिमा सक्ती जिले के शासकीय वेदराम महाविद्यालय, मालखरौदा (पिहरीद) के समक्ष स्थापित की गई है। इस अवसर पर शहीद श्री दीपक भारद्वाज के पिता श्री राधेलाल भारद्वाज, मालखरौदा जनपद अध्यक्ष श्री कवि वर्मा, श्री निर्मल सिन्हा, लालू गबेल, श्री जगदीश चंद्रा एवं प्रतिनिधिमंडल उपस्थित थे।

मनरेगा श्रमिक बने कुशल राजमिस्त्री सुकमा में नियद नेल्ला नार योजना ने बदली मजदूरों की जिंदगी

रायपुर। जिन हाथों में कल तक केवल मिट्टी ढोने की कुदाल थी, आज वहीं हाथ नाप-जोख का फीता और करनी थामकर राजमिस्त्री बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सुकमा जिले में वह बदलाव दिखाई दे रहा है, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन थी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू हुई नियद नेल्लनार योजना ने मनरेगा श्रमिकों को नया कौशल और नई पहचान दी है, जिसकी सराहना जिले के प्रभारी एवं वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भी की।

अकुशल से कुशल बनने की नई राह

30 मनरेगा श्रमिकों का चयन कर उन्हें जिला ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में राजमिस्त्री प्रशिक्षण जिला प्रशासन सुकमा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से प्रदान किया। पहले केवल शारीरिक श्रम करने वाले ये श्रमिक अब ईंट-चिनाई, स्तर माप, प्लिंथ से छत

निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण और सुरक्षा उपायों जैसी तकनीकी जानकारी सीख रहे हैं। जैमेर निवासी श्री चेतन नाग कहते हैं कि यह सिर्फ ईंट और गारे का काम नहीं, यह हमारे आत्मसम्मान की बात है। अब हमें दूसरों पर निर्भर नहीं रहना होगा और कमाई भी पहले से ज्यादा होगी।

पीएम आवास योजना को मिली स्थानीय मजबूती- जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वर्ष 2024-26 में 25 हजार 974 आवास स्वीकृत हुए हैं। बड़ी संख्या में निर्माण कार्य होने के कारण कुशल राजमिस्त्रियों की आवश्यकता थी। सुकमा कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ की पहल से शुरू हुए इस प्रशिक्षण ने दो बड़े लक्ष्य पूरे किए, जिसके तहत लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला वहीं ग्रामीणों को अपने गांव के पास ही सम्मानजनक काम मिला। प्रशिक्षित मिस्त्री अब पीएम आवास योजना के मानकों के अनुरूप बेहतर घर बना सकेंगे।

71 योजनाओं में 2 वर्षों में 29,55,254 श्रमिकों को 804.77 करोड़ राशि से लाभान्वित किया गया

रायपुर। श्रम विभाग की गतिविधियों एवं उपलब्धियों के संबंध में श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन द्वारा आज प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई कि विभाग के अधीन मंडलों द्वारा विगत 02 वर्षों में 11.40 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया, जिसमें लगभग 9.4 लाख निर्माण श्रमिक, 1.39 लाख असंगठित श्रमिक एवं 98 हजार संगठित श्रमिक शामिल है।

विभाग के अधीन मंडलों द्वारा संचालित कुल 71 योजनाओं में विगत 02 वर्षों में 29,55,254 श्रमिकों को 804.77 करोड़ राशि से लाभान्वित किया गया है, जिसमें से 28,49,167 निर्माण श्रमिको को लगभग रूपये 653.75 करोड़, 91,595 असंगठित श्रमिकों लगभग रूपये 143.77 करोड़, एवं 14,592 संगठित श्रमिकों को रूपये 7.24 करोड़ रूपये से लाभांवित किया गया है। विभाग द्वारा श्रमिकों को देय हितलाभ केन्द्रीयकृत डी0बी0 टी0 के माध्यम से सीधे उनके खाते में हस्तांतरित किया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि इज ऑफ डूईंग व्यवस्था के तहत कारखनों का निरीक्षण स्वचलित प्रणाली के द्वारा किया जा रहा है। विगत 02 वर्षों में प्रदेश के कारखानों का कारखाना अधिनियम अंतर्गत कुल 2218 निरीक्षण किये गये हैं। प्रावधानों के उल्लंघन पाये जाने पर कारखाना प्रबंधनों के विरूद्ध 666 अभियोजन माननीय श्रम न्यायालय में दायर किये गये हैं तथा कुल 05 करोड़ रूपये से अधिक का जुर्माना वसूल किया गया है।

उन्होंने बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम अंतर्गत विगत 02 वर्षों में बीमित कामगारों की संख्या 4.60 लाख से बढ़कर 6.26 लाख हो गई है। रायपुर, कोरबा, रायगढ़ तथा भिलाई में 100 बिस्तर-युक्त चिकित्सालय संचालित है तथा शीघ्र ही बिलासपुर में चिकित्सालय प्रारंभ करने हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इसी प्रकार राज्य में 43 औषधालय

संचालित है और 04 नवीन औषधालय खोले जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विभाग द्वारा भारत सरकार के अनुशंसा एवं बिजनेस रिफार्मस के तहत निर्धारित सभी 17 रिफार्मस को राज्य के श्रमिकों तथा नियोजकों के हित में लागू किया जा चुका है। छोटे व्यापारियों को छूट प्रदाय करने हेतु छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम, 2017 सहपठित नियम, 2021 को 10 या 10 से अधिक श्रमिक नियोजन वाले संस्थानों पर लागू किया गया है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की नयी श्रेणी ''नियत कालिक नियोजन कर्मकार'' का प्रावधान किया गया है, जिन्हें नियमित कर्मचारियों के समान वेतन भत्ते एवं अन्य सुविधाएं प्राप्त होगी। महिला सशक्तिकरण के दृष्टिगत रात्रिपाली में महिला कर्मकारों को सशर्त नियोजन का अधिकार दिया गया है। कारखाना लायसेंस की अवधि 10 से 15 वर्ष कर दी गई है।मंत्री द्वारा अवगत कराया गया कि भारत सरकार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 29 पुराने श्रम कानूनों के स्थान पर नये 04 श्रम संहिता लागू की गयी है, जिसके अंतर्गत राज्य में 04 नये नियम बनाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। नये कोड के परिणामस्वरूप श्रमिकों का हित संरक्षण बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। प्रत्येक श्रमिक को नियुक्ति पत्र, महिला श्रमिकों को सभी प्रकार के नियोजनों में काम करने का अधिकार, श्रमिकों को बेहतर न्यूनतम वेतन, नियोक्ता द्वारा श्रमिकों का वर्ष में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण करने, गिग एवं प्लेटफार्म वर्कर्स के कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा हेतु ''राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा मंडल'' का गठन का प्रावधान इत्यादि लाभ सुनिश्चित होगा। श्रम मंत्री द्वारा विभाग की आगामी कार्ययोजना के संबंध में जानकारी दी गयी कि छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम को 20 या 20 से अधिक श्रमिक नियोजित करने वाले दुकान एवं स्थापनाओं में लागू करने हेतु राज्य विधानसभा में पुन: विधेयक पारित कर, माननीय राष्ट्रपति महोदय की स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया है।कर्मचारी राज्य बीमा सेवायें के अंतर्गत रायगढ़, कुम्हारी तथा बीरगांव औषधालय का उन्नयन कर इन्हे मॉडल औषधालय के रूप में विकसित किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

एज बाय टाइटन ने फ्यूमेज घड़ी प्रस्तुत की तीन वर्षों बाद नया सिरेमिक आवरण

मुम्बई - टाइटन की प्रीमियम घड़ियों की श्रृंखला एज बाय टाइटन ने अपनी नई घड़ी फ्यूमेज प्रस्तुत की है। यह प्रस्तुति ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि तीन वर्षों के अंतराल के बाद एज पोर्टफेलियो में नया सिरेमिक आवरण (केस) जोड़ा गया है। नई घड़ी में नवीन ज्यामिति, पुनर्रचित सिरेमिक कंगन तथा धुएँ से प्रेरित फ्यूमेज डायल दिया गया है, जो सामग्री और डिज़ाइन—दोनों स्तरों पर एक नया दृष्टिकोण दर्शाता है।

फ्यूमेज का डिज़ाइन धुएँ की प्रवाहमान और सहज गति से प्रेरित है। इसका नया आवरण ढाँचा गति को संतुलन में रखते हुए आकार देता है, जिससे बिना बंधन के स्पष्ट और सटीक रूप सामने आता है। पतली बनावट, अधिक सुदृढ़ संरचना और हाथ से तैयार क्रमिक रंगों वाला डायल इस घड़ी को विशिष्ट बनाते हैं।

फ्यूमेज के साथ एज बाय टाइटन ने अपनी पतली और आधुनिक डिज़ाइन भाषा को आगे बढ़ाया है। नया आवरण ढाँचा और एकीकृत सिरेमिक कंगन इसकी चमकदार रूपरेखा को नया आकार देते हैं, जबकि एज की पहचान रहा हल्कापन बना रहता है। सैटिन रूप-सज्जित बेज़ल, चमकदार किनारे और सिरेमिक कड़ियाँ प्रकाश के साथ संतुलित प्रभाव रचती हैं, जिससे यह घड़ी दैनिक उपयोग के लिए टिकाऊ और कलाई पर सुरुचिपूर्ण प्रतीत होती है।

यह संग्रह फ्यूमाज कला से प्रेरित है, जिसमें धुएँ की बहाव को एक हस्तनिर्मित फ्यूमेज डायल के माध्यम से दर्शाया गया है। बहु-स्तरीय लाख-लेपन प्रक्रिया से निर्मित यह डायल हल्के से गहरे रंगों की ओर बढ़ता है। यह 'नियंत्रित अराजकता' की अवधारणा को दर्शाता है—जहाँ गति को सटीकता में बाँधा गया है और अभिव्यक्ति संयम के साथ आगे बढ़ती है। फ्यूमेज अब भी एज की पहचान—पतली, सादी और अनुशासित—को बनाए रखती है, परंतु अब अधिक जीवंत और प्रभावशाली रूप में सामने आती है।

फ्यूमेज ऐसे समय में प्रस्तुत की गई है जब डिज़ाइन की भूमिका केंद्र में है। नया सिरेमिक आवरण एक स्पष्ट सामग्री उन्नयन को दर्शाता है और यह संकेत देता है कि एज अब केवल मौजूदा डिज़ाइनों को निखारने तक सीमित नहीं है, बल्कि साहसिक और नए डिज़ाइन प्रयोग करने के लिए भी तैयार है।

इस अवसर पर कल्पना रंगमणि, मुख्य विक्रय एवं विपणन अधिकारी, टाइटन प्रीमियम एवं लक्ज़री घड़ियाँ, ने कहा, फ्यूमेज के माध्यम से हम प्रीमियम श्रेणी में एज की उपस्थिति को और सुदृढ़ कर रहे हैं। नया सिरेमिक आवरण और फ्यूमेज डायल एज को एक विशिष्ट दृश्य पहचान देते हैं। यह केवल एक नई घड़ी नहीं है, बल्कि एज के अगले अध्याय की शुरुआत है, जहाँ डिज़ाइन और सामग्री—दोनों में मजबूती दिखाई देती है।

इंडियनऑयल और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन

मुंबई: इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इंडियनऑयल) ने देश की अग्रणी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर सुविधा प्रदान करना और इंडियनऑयल के ईंधन स्टेशनों पर वैल्यू-एडेड सेवाओं का विस्तार करना है।

इस एमओयू के अंतर्गत, देशभर में चयनित इंडियनऑयल फ्यूल स्टेशनों पर मारुति सुजुकी की अधिकृत सर्विस सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। इसके माध्यम से ग्राहक अपने वाहनों की निर्धारित सर्विसिंग और मामूली रिपेयर कार्य उसी स्थान पर करवा सकेंगे, जहां वे ईंधन भरवाते हैं। यह पहल ग्राहकों के समय की बचत करते हुए एक सहज और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करेगी।

इंडियनऑयल अपने 41,000 से अधिक फ्यूल स्टेशनों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से इस सहयोग को सशक्त बनाएगा। यह पहल न केवल मारुति सुजुकी के मौजूदा 5,780 से अधिक सर्विस टचपॉइंट्स को मजबूती देगी, बल्कि वाहन मालिकों को एक ही स्थान पर ईंधन और वाहन देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराकर 'वन-स्टॉप सॉल्यूशन' की अवधारणा को भी साकार करेगी।

इस अवसर पर इंडियनऑयल के निदेशक (मार्केटिंग) श्री सौमित्र पी. श्रीवास्तव ने कहा, इंडियनऑयल अपने फ्यूल स्टेशनों को केवल ईंधन आपूर्ति केंद्र ही नहीं, बल्कि समग्र ग्राहक सुविधा केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। देशभर में फैले हमारे रिटेल नेटवर्क के माध्यम से हम उपभोक्ताओं के और अधिक निकट सेवाएं पहुंचा रहे हैं। मारुति सुजुकी के साथ यह साझेदारी हमारे ग्राहकों को विश्वस्तरीय ऑटोमोटिव मेंटेनेंस सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह सहयोग इंडियनऑयल की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी अपने फ्यूल स्टेशनों पर नवाचार आधारित सेवाओं को जोड़ते हुए ग्राहकों के संपूर्ण मोबिलिटी अनुभव को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री से भारतीय वन सेवा 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मंत्रालय महानदी भवन में भारतीय वन सेवा के 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों को भारतीय वन सेवा में नियुक्ति होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षु अधिकारियों में छत्तीसगढ़ के दुर्ग एवं दंतेवाड़ा जिले के दो अधिकारी भी शामिल हैं। प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है। यहां न सिर्फ समृद्ध वन्य जीवन है बल्कि वनों से हमारे बहुसंख्यक नागरिकों की आजीविका और सामाजिक जीवन जुड़ा हुआ है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री श्री साय को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही श्रीनिवास राव ने बताया कि भारतीय वन सेवा के 06 अधिकारी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून से 16 सप्ताह की ऑन जॉब ट्रेनिंग पर छत्तीसगढ़ भेजा गया है। इन्हें राज्य के वन मंडल बस्तर, रायगढ़, धमतरी, राजनांदगांव, कटघोरा और जशपुर के अंतर्गत पदस्थ किया गया है। यह प्रशिक्षण 05 जनवरी से 25 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसके अंतर्गत अधिकारी वन सेवा से जुड़े विभिन्न पहलुओं को जमीनी स्तर पर जान पाएंगे। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, विधायक श्री भैयालाल राजवाड़े, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्रीमती शालिनी रैना, मुख्य वन संरक्षक रायपुर श्री मणि वासगन एस तथा प्रशिक्षु अधिकारी अक्षय जैन, कुणाल मिश्रा, एम जालिंदर यादव, पारख सारदा, प्रीति यादव, यशस्वी मौर्या उपस्थित थे।

संपादकीय

बीसीसीआई ने किया गड़बड़झाला

बीसीसीआई ने गड़बड़झाला किया। क्या अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत को बांग्लादेश से क्रिकेट संबंध तोड़ लेना चाहिए? बीसीसीआई ऐसा सोचती है, तो फिर उसने बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आईपीएल नीलामी में क्यों शामिल किया? टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए भारत ना आने का बांग्लादेश का एलान क्रिकेट और भारत दोनों के लिए अच्छी खबर नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान पर हुए विवाद के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बांग्लादेश के सारे मैच वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में कराने की मांग की है। आईसीसी ने ये मांग मानी (या मांग ना माने जाने की स्थिति में बांग्लादेश ने टूर्नामेंट का बहिष्कार किया), तो उसका दूरगामी असर होगा। यह साफ है कि रहमान के मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गड़बड़झाला किया। उसने उन्हें उन खिलाड़ियों की लिस्ट में रखा, जिन्हें आईपीएल की फ्रेंचाइजी टीमें खरीद सकती थीं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें खरीदा, तो एक भाजपा नेता और इस दल के समर्थक समूहों ने टीम के मालिक अभिनेता शाहरुख खान पर जुबानी हमले शुरू कर दिए। उन्हें गद्दार तक कहा गया। बेशक, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय इस समय निशाने पर है। उसको लेकर भारत के बहुसंख्यक समुदाय का नाराज होना लाजिमी है। लेकिन मुद्दा है कि क्या इसको लेकर भारत को बांग्लादेश से क्रिकेट संबंध तोड़ लेना चाहिए? बीसीसीआई ऐसा सोचती है, तो फिर उसने बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आईपीएल नीलामी में क्यों रखा? उसके बाद राजनीतिक कारणों से किसी समूह विशेष ने भड़काऊ माहौल बनाया, तो क्या यह उचित नहीं होता कि बीसीसीआई अपने रुख पर कायम रहती और केकेआर को उचित संरक्षण देती? किन उसने रहमान को टीम से हटा देने की सलाह दी, जिस पर केकेआर ने फ़ौरन अमल किया। उस पर बीसीबी ने भी उग्र प्रतिक्रिया दिखाई है। नतीजतन, सात फरवरी से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप से एक नया विवाद जुड़ गया है। भारत और पाकिस्तान के एक- दूसरे के यहां ना जाने के फैसलों की आंच पहले से ही क्रिकेट प्रतियोगिताओं पर पड़ी हुई है। क्रिकेट के कारोबार में भारत आज अव्वल ताकत है। फिर भी उन मामलों में आईसीसी के फैसले भारत के पक्ष में नहीं रहे। अब बांग्लादेश का पहलू भी जुड़ गया है। स्पष्टत: उसके असर से बतौर मेजबान भारत की छवि अप्रभावित नहीं रहेगी।

कायस्थ वोट तोड़ सकती है भाजपा

हरिशंकर व्यास

नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के देश की राजनीति पर कोई असर हो या नहीं हो लेकिन पश्चिम बंगाल की राजनीति में इसके असर की चर्चा शुरू हो गई है। ध्यान रहे नितिन नबीन कायस्थ हैं और कायस्थों की मौजूदगी पूर्वी भारत के राज्यों में ही है। बिहार, झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल और ओडिशा में ठीक ठाक संख्या में कायस्थ हैं। आबादी कम होने के बावजूद कायस्थ इन राज्यों की राजनीति को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते रहते हैं। बीजू पटनायक और उनके बेटे नवीन पटनायक का लंबे समय तक ओडिशा में राज रहा है। बिहार में भी महामाया प्रसाद सिन्हा बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु का सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड है। अभी पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। बिहार के ही मंगल पांडेय वहां के प्रभारी हैं। सो, बंगाल के चुनाव को यह घटनाक्रम निश्चित रूप से किसी न किसी स्तर पर प्रभावित करेगा।

ध्यान रहे पश्चिम बंगाल का भद्रलोक कायस्थ और ब्राह्मणों से मिल कर ही बना है। भद्रलोक आमतौर पर बंगाल की कला, संस्कृति, परंपरा इत्यादि का पोषक होता है। वह समझता है कि बंगाली अस्मिता की रक्षा का भार उसके कंधे पर है। इसलिए वह आमतौर पर भाजपा को वोट नहीं करता है। पहले कम्युनिस्ट पार्टियों को और अब ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को उनका समर्थन मिलता है। भद्रलोक के अलावा जो दूसरा वर्ग है वह छोटोलोक का है। इस छोटोलोक का वोट मोटे तौर पर भाजपा को मिलता है। पश्चिम बंगाल की दलित आबादी करीब 18 फीसदी और आदिवासी आबादी छह फीसदी है। इसका बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जाता है। उत्तरी बंगाल के आदिवासी बहुल इलाकों में तो भाजपा बहुत मजबूत है।

इस बार भी भाजपा को उम्मीद है कि दलित, आदिवासी और पिछड़ी जातियों के बड़े हिस्से का वोट उसको मिलेगा। उसे भद्रलोक में ममता बनर्जी के वोट में सेंध लगानी है। ब्राह्मण हो सकता है कि ममता बनर्जी को नहीं छोड़ें लेकिन नितिन नबीन के जरिए भाजपा कायस्थ वोट तोड़ सकती है। हालांकि ममता बनर्जी के पास शत्रुघ्न सिन्हा के रूप में एक काट है। शत्रुघ्न सिन्हा ओरिजिनल बिहारी बाबू हैं और अस्मिता की राजनीति में वे किसी भी कायस्थ या बिहारी नेता से बड़े ठहरते हैं। वे पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से दूसरी बार सांसद का चुनाव जीते हैं। अभी वे पूरी तरह से सक्रिय भी हैं। आमतौर पर विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को किसी की जरुरत नहीं होती है। लेकिन अगर इस बार जरुरत पड़ी तो शत्रुघ्न सिन्हा भी हैं और कीर्ति आजाद भी हैं। कीर्ति आजाद क्रिकेटर रहे हैं, बिहार के हैं और मैथिली ब्राह्मण हैं। वे वर्धमान की सीट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं। इस बार भाजपा की ओर से नितिन नबीन और मंगल पांडेय तो ममता बनर्जी की ओर से शत्रुघ्न सिन्हा और कीर्ति आजाद भी मैदान में होंगे।

'भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

ललित गर्ग

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था।

मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफकर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफकी गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है।

इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं।

राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे 'आधुनिक राजस्थान' की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेंद्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिखा। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी सुशासन, अनुशासन और डिलीवरी के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है। आज राजस्थान में 'भजन राज' का अर्थ केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि भरोसे का शासन है। ऐसा शासन, जहां कार्यकर्ता खुद को गौरवान्वित महसूस करता है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित। केंद्रीय आलाकमान की खुली छूट और अमित शाह की पीठ थपथपाहट ने मुख्यमंत्री को और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संबल दिया है। यह संकेत साफ है कि भजनलाल शर्मा अब केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि एक स्थापित, विश्वसनीय और सक्षम नेतृत्व के रूप में स्वीकार किए जा चुके हैं। जो लोग अब भी किसी बड़े बदलाव या सत्ता-समीकरण के इंतजार में हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भजनलाल शर्मा का नेतृत्व कोई संयोग नहीं, बल्कि राजस्थान को एक स्थिर, सुशासित और स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाने वाला सुविचारित संकल्प है। वे केंद्रीय नेतृत्व की कसौटी पर 24 कैरेट खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके अब तक के कार्य इस प्रतिबद्धता की ठोस गवाही देते हैं।

असम और पश्चिमी बंगाल में विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट बढ़ी

अजय दीक्षित

देश के दो बड़े सीमांत प्रदेशों में 2026 के पहले छह माह में विधानसभा चुनाव है। प्रदेशों में विधानसभा चुनाव प्राय महत्वपूर्ण ही होते हैं क्योंकि भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों के पास , वित्त, विदेश, संचार, सुरक्षा को छोड़कर सभी प्रकार के अधिकार होते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से देखता है। इसलिए राज्य विधानसभा चुनाव बहुत गंभीर विषय राजनीतिक दलों के लिए होता है। राज्यसभा सदस्य भी इन्हीं विधानसभा सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं।2026 में असम, पश्चिमी बंगाल, केरल, तमिलनाडु, और पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव होंगे।

कांग्रेस के लिए ये चुनाव, विशेष कर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।इन विधानसभा चुनावों के परिणाम से 2029 का रास्ता भी खुलेगा । भारतीय जनता पार्टी को असम में दस साल की सत्ता विरोधी लहर से भी निपटना है।जबकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का मिथक तोड़ना है। भारतीय जनता पार्टी के लिए इन चुनावों को इस दृष्टि से भी देखा जा सकता है कि दोनों राज्यों में मुस्लिम 28 से 35 फीसदी मतदाता हैं जो देश में सर्वाधिक है ।असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला बहुत ही रोचक होगा ।असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने चुनाव को लेकर जो बयान दिए हैं वे ऐसा लगता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच है।अभी हाल में एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वह उस तबके से बोट ही मांगेगे जो मुस्लिम है। उन्होंने तो यहां तक कहा है कि यद्यपि भारत सरकार और राज्य सरकार की योजनाएं सभी के लिए बराबर लेकिन फिर भी भारतीय जनता पार्टी पर असम के मुस्लिम नेता हिन्दू तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं। हेमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि बांग्लादेश से चकमा मुस्लिम घुसपेठ ने 70 वर्षों में असम की डेमोग्राफी बदल दी है। कुलमिलाकर असम का और बंगाल विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए आइडियोलॉजी के लिए भी लड़े जा रहे हैं।

असम में कांग्रेस नेता गौरव गोगई ने भी चुनाव को लेकर राजनीतिक यात्राएं शुरू कर दी है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ने चुनाव प्रभारियों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी को प्रभार दिया है जबकि भारतीय जनता पार्टी की ओर से भूपेंद यादव , देखेंगे।

'तत्वमसि' में है प्रचारकों की जिंदगी का बयान

प्रो. संजय द्विवेदी

देश में हुए सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति सामान्यजन की जिज्ञासा बढ़ा दी है। इस बीच अपनी यात्रा के 100 साल संघ ने पूरे कर लिए हैं। इसलिए संघ की संपर्क गतिविधियां भी सामान्य दिनों से ज्यादा हैं। ऐसे समय में संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्रीधर पराड़कर का उपन्यास 'तत्वमसि' बड़ी सरलता से आरएसएस के बारे में बताता है। यह उपन्यास एक आत्मकथात्मक उपन्यास भी कहा जा रहा है, जिसके केंद्र में खुद लेखक और उसके अनुभव हैं। बावजूद इसके एक प्रचारक की जिंदगी के बहाने संघ को समझाने में यह उपन्यास पूरी तरह सफल है।

कहानियों से चीजों को बताना आसान होता है, विचार कई बार भ्रमित भी करते हैं और उन्हें समझना सबके बस की बात नहीं। उसे वही ग्रहण कर सकता है जिसकी उस विचार विशेष में रुचि हो। शायद इसीलिए पूज्य सरसंघचालक डा. मोहन भागवत इस बात को रेखांकित करते रहे हैं कि संघ को संघ के भीतर आकर ही समझा जा सकता है। अपनी स्थापना के समय से ही संघ कुछ शक्तियों के निशाने पर रहा है। खासकर आजाद भारत में उसे इसके दंश कई बार भोगने पड़े। श्रीधर पराड़कर का यह उपन्यास उनके अर्जित अनुभवों का बयान भी है। इसलिए इस कृति की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। सही मायनों में यह भोगा हुआ सत्य है, जिसकी अनुभूति इसे पढ़ते समय सहज ही होती है।

हम जानते हैं कि श्रीधर पराड़कर, संघ प्रेरित अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे हैं और लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। एक लेखक,चिंतक,विचारक और संगठनकर्ता के नाते वे राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध हैं। ऐसे सरोकारी व्यक्ति का लेखन निश्चित ही बहुत सारे सवालों के जवाब लेकर आता है। किसी भी उपन्यास या कहानी की सबसे बड़ी सफलता है उसकी रोचकता। कहानी को सुनने-पढ़ने का मन होना। कथारस में बहते चले जाना। विचार और संगठन जैसी बोझिल समझी जाने वाली कथा को भी पराड़करजी ने जिस अंदाज में व्यक्त किया है उसने पुस्तक की पठनीयता बनाए रखी है। यह किताब न सिर्फ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार तत्व, प्रचारकों की जीवन शैली, संघ के समावेशी चरित्र का बयान करती है बल्कि किस तरह वह समाज परिवर्तन को व्यक्ति परिर्वतन के माध्यम से संभव कर रहा है इसे भी बताती है।

उपन्यास के मुख्य पात्र परितोष बाबू संघ के प्रचारक हैं। प्रचारक परंपरा के बारे में समाज में न्यूनतम जानकारियां हैं। इस किताब में 'प्रचारक परंपरा' जो सामान्य वस्त्रों में रहकर भी 'साधु परंपरा' का पालन करती है का विषद वर्णन है। समाज जीवन में काम करते हुए आने वाली कठिनाइयों से लेकर,समाज के प्रश्नों का उत्तर भी प्रचारक खोजते हैं। भाषा की रवानी और कथा शैली ऐसी कि संगठन शास्त्र जैसे विषयों को किस्सागोई के साथ कहने में लेखक सफल रहे हैं। पत्रकार अनंत विजय ने किताब के फ्लैप पर ठीक ही लिखा है कि-मेरे जानते हिंदी के किसी लेखक ने किसी संगठन को केंद्र में रखकर इस तरह का उपन्यास नहीं लिखा है। यह अभिनव प्रयोग है, जिसके मोहजाल में पाठक का पड़ना तय है। पुस्तक के आरंभ में ही अपनी रेलयात्रा के माध्यम से परितोष बाबू न सिर्फअपना स्वभाव,विचार रख देते हैं बल्कि समाज को लेकर अपनी सोच को भी प्रकट करते हैं। पहले दृश्य से बांध लेना इसे ही कहते हैं। यह उपन्यास एक कर्मनिष्ठ प्रचारक की जिंदगी से गुजरते हुए समाज के अनेक प्रश्नों के उत्तर भी देता चलता है। इसमें जो पात्र हैं वे बहुत सुनियोजित तरीके से कथा के उद्देश्य को पूरा करने में सहयोग करते हैं। विभिन्न पंथों और विचारों से जुड़े पात्रों का संवाद भी परितोष बाबू से होता है। यहां यह भी प्रकट होता है कि वे व्यक्ति से व्यक्ति का संवाद पसंद करते हैं। मुस्लिम युवा अफ़रोज से संवाद का अवसर आता है तो वे अपने सहयोगी से कहते हैं,- उन्हें बुलाना नहीं हम उनसे मिलने उनके घर जाएंगें। इससे पता चलता है कि संघ की कार्यपद्धति क्या है। जहां वह व्यक्ति से नहीं बल्कि परिवार से जुड़ता है ताकि उनसे सच्चा जुड़ाव हो सके। उनके सुख-दुख अपने हो जाएं।

यह उपन्यास इस अर्थ में विशिष्ठ है कि यह अपने समय और उसके सवालों से जूझता है। उसके ठोस और वाजिब हल खोजने की कोशिशें भी करता है। संवाद के माध्यम से यह उपन्यास जो कहता है उसे बहुत बड़े वक्तव्यों से नहीं समझाया जा सकता। प्रो. संजय कपूर, विदेशी मूल की युवती नोरा, महेश बाबू, अफ़रोज,सदानंद, अनिता और स्नेहल जैसे पात्रों के बहाने जो ताना-बाना बुना गया है वह अप्रतिम है। सदानंद,अमित और स्नेहल से हुए संवाद में परितोष बाबू जिस तरह संघ से जुड़े सवालों के उत्तर देते हैं,वैसे ही वे समाज और परिवार के मुद्दों पर राय रखते हैं। वे एक ऐसे बुजुर्ग की तरह पेश आते हैं जिस पर सबकी आस्था है। भारतीय परिवारों में बुजुर्गों की भूमिका क्या होनी चाहिए, क्या है इसे भी परितोष बाबू की छवि में देखा जा सकता है। परितोष बाबू जैसे लोग जिन्होंने अपना परिवार नहीं बनाया, उसकी मनोभूमि कैसे तैयार होती है। कैसे वे सब कुछ त्यागकर अपने समाज और देश की बेहतरी के स्वयं को आत्मार्पित कर देते हैं। यह सीखने वाली बात है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में बहुत से बने हुए भ्रमों, दुष्प्रचारों को यह उपन्यास एक जवाब है। भगवा ध्वज को गुरू मानना और सरसंघचालक परंपरा जैसे विषय भी सहज संवाद से सरल लगने लगते हैं।

समकालीन कथासाहित्य में प्राय: एक ही तरह की कहानियां और उपन्यास पढ़कर जिस तरह के मनोविकार और अवसाद उपजते हैं, उसके बीच में यह उपन्यास एक ठंडी हवा के झोंके की तरह है। यह पाठकों को एक संगठन और उसके प्रचारक की कथा तो सुनाता ही है, नए भारत के निर्माण में जुटे राष्ट्रप्रेमियों से भी परिचित कराता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारतीय समाज के पुनर्गठन की वह प्रयोगशाला है, जो विचार, सेवा और अनुशासन के आधार पर एक सांस्कृतिक राष्ट्र का निर्माण कर रही है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की अनोखी भारतीय दृष्टि से उपजा यह संगठन आज अपनी शताब्दी मना रहा है। यह केवल संगठन विस्तार की नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक पुनरुत्थान की एक अनवरत यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सही निगाहों से देखना और उसका उचित मूल्यांकन किया जाना अभी शेष है, यह उपन्यास उस दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

बच्चों को खाना बनाने की प्रक्रिया में करें शामिल

खाना बनाना एक ऐसी कला है जो हर एक इंसान को आनी चाहिए। खाने के लिए किसी दूसरे पर निर्भर होना आपको ही नुकसान करेगा। इसलिए मां-बाप को बचपन से ही बच्चों को छोटी-मोटी चीजें बनानी सिखानी चाहिए। अगर आप अपने बच्चे को खाना बनाना सिखाना चाहते हैं, तो आपको कुछ बातें ध्यान में रखनी होंगी, जिससे बच्चा अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए खाना बनाना सीख सके। इसके लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं है।

⏭जो बच्चे खाना खाने में आनाकानी करते हैं उन्हें खाना बनाते समय साथ रखने से उनमें खाने के प्रति दिलचस्पी पैदा होती है। लेकिन बहुत छोटे बच्चे को किचन में न लाएं। बच्चा कम से कम 4 से 5 साल का हो तब उसे किचन में लाना शुरू करें।

⏭खाना बनाने से बच्चों का बौद्धिक और शारीरिक विकास होता है। बच्चों को अलग-अलग तरह की सब्जी, अनाज, फल और मसाले की जानकारी होती है। खाना बनाते समय ये सब चीजें उन्हें दिखाते चलें।

⏭बच्चों को किचन में साथ में रखने से वे खुरचना, पलटना, बेलना, फेंटना, छीलना, काटना, निचोड़ना जैसी चीजों के बारे में सीखते हैं, जो उनके लिए नए अनुभव होते हैं।

⏭चीजों को नाप कर बनाने से बच्चों की मैथ्स में दिलचस्पी बढ़ती है और उनकी कैलकुलेशन अच्छी होती है।

⏭बच्चों को डिनर टेबल सजाना सिखाएं। प्लेट, गिलास, कटोरी और चम्मच सजा कर रखने को कहें। इससे उनमें मैनेजमेंट के गुण आएंगे।

पार्टी के लिए मेकअप लुक

नया साल शुरू हैं। नए साल की या किसी फंक्शन पर अक्सर हम अपने दोस्तों और परिवारजनों के साथ घूमना या पार्टी करने का प्लान बनाते हैं। पार्टी के लिए मेकअप लुक कैसा करें, यह काफी उलझन भरा सवाल हो सकता है। इसमें आपकी मदद करने के लिए हम आपके फेवरेट सिलेब्रिटूज के ग्लैमलुक लाएं हैं, जिनसे इंस्पायर होकर आप अपना न्यू ईयर लुक क्रिएट कर सकते हैं।

कलरफुल बेस लाइन

पार्टी को रंगीन बनाने के लिए आप अपने आई मेकअप के साथ कुछ अलग कर सकते हैं। अपनी आंखों के बेस के लिए नॉर्मल ब्लैक या ब्राउन शेड की जगह, आप किसी ब्राइट कलर के आईशैडो का इस्तेमाल कर सकते हैं, जैसे- पीला, हरा, लाल या गोल्डन। इससे आपकी आंखें, आपके चेहरे की ही नहीं बल्कि पूरी पार्टी की सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन जाएंगी।

क्लासिक रेड लिप्स

रेड लिप्सटिक आज से नहीं बल्कि काफी समय से ग्मैर वर्ल्ड की दुनिया में राज करती आई है। सिलेब्रिटीज के रेड कारपेट लुक से लेकर आपकी न्यू पार्टी तक के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। रेड लिप्सटिक आपके लुक को काफी बेहतर बना सकती है।

ग्लिटरी आई मेकअप

किसी भी पार्टी के लिए ग्लिटरी आ ई लुक काफी बेहतर ऑप्शन हो सकता है। वैसे भी पार्टी बिना ग्लिटर्स के पूरी नहीं होती। इसलिए अपने न्यू ईयर पार्टी लुक के लिए आप गोल्डन, सिल्वर या ब्रोन्ज आई शैडो का इस्तेमाल कर सकते हैं।

डब्ल विंग आई लाइनर

कुछ अलग सा आई मेकअप आपकी आंखों के लुक को काफी अलग बना सकती हैं। डब्ल विंद आई लाइनर ऐसा करने में आपकी मदद कर सकता है। आंखों के ऊपर विंग और नीचे विंग आईलाइनर लगाएं।

रिवर्स आई लाइनर

रिवर्स आईलाइनर इस साल के काफी पॉपुलर मेकअप लुक्स में से एक रहा है। इस लुक को पाने के लिए आप अपनी अपर लिड की जगह, लोवर लैश लाइन पर विंग्ड आई लाइनर लगाएं। आप चाहें तो पेंसिल लाइनर का इस्तेमाल कर, इसे ब्रश की मदद से स्मज भी कर सकते हैं।

नाखूनों को रखें हेल्दी

स्वस्थ बने रहने के लिए सिर्फ शरीर पर ही ध्यान देना जरूरी नहीं है, बल्कि नाखूनों की भी साफ-सफाई और देखभाल जरूरी है क्योंकि इन्हें जरिए कीटाणु आसानी से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। दूसरा आजकल महिलाएं नाखूनों पर कई तरह के केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रही हैं। ये बेशक आपके नाखूनों को खूबसूरत बनाते हैं, लेकिन साथ ही इससे नाखून ड्राई और पीले पड़ जाते हैं, तो कैसे करें इनकी केयर, आइए जान लेते हैं।

वॉटर बेस्ड मैनीक्योर से बचें

वॉटर बेस्ड मैनीक्योर देखने में भले ही अच्छी लगती हो, लेकिन ये नाखूनों के लिए सही नहीं होती, तो इसे अवॉयड करें। वॉटर बेस्ड मैनीक्योर में नेल पॉलिश नाखूनों पर चिपक जाती है, वहीं अगर आप ऑयल बेस्ड मैनीक्योर चुनती हैं, तो इससे नाखून ड्राई नहीं होते।

ऑयल से करें मॉयस्चराइज

अपने नेल्स को तेल से मॉयस्चराइज करें, जिससे वे मजबूत बने रहें। सोने से पहले नेल्स के क्यूटिकल्स पर बादाम का तेल लगाना सही होता है। इससे ड्राईनेस नहीं होती। बादाम का तेल न हो, तो लिप बाम से भी काम चलाया जा सकता है।

सॉफ्टनर लगाएं

नेल्स को हेल्दी और मजबूत बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार मैनीक्योर जरूर करें। इसके लिए नमक वाले गुनगुने पानी में कुछ देर के लिए हाथों को डुबोएं। फिर हाथों की स्क्रबिंग करें और नाखूनों के किनारों में जमी गंदगी को फाइलर की मदद से साफ कर लें। सबसे बाद में सॉफ्टनर का इस्तेमाल करें।

इन्फेक्शन को करें दूर

अगर आपके नेल्स के आसपास दाने हो गए हैं या उनमें ब्लीडिंग और खुजली होती रहती है, तो ये इन्फेक्शन हो सकता है। जिसे बिल्कुल भी इग्नोर न करें। इसके अलावा नाखूनों में रेडनेस, सूजन और दर्द रहना फंगल इन्फेक्शन के लक्षण हो सकेत हैं।

बायोटिन को करे ऐड

बायोटिन हमारे बालों और नाखूनों की मजबूती बढ़ाने में बहुत ही जरूरी विटामिन है। कई रिसर्च में भी इस बात का पता चलता है कि नियमित रूप से बायोटिन सप्लीमेंट लेने से नाखूनों की क्वॉलिटी सुधरती है। वैसे आप विटामिन बी युक्त खानपान को भी डाइट में शामिल कर ये फायदा ले सकती हैं। उबले अंडे, नट्स, पीनट बटर, साबुत अनाज, सोया, फलियां, गोभी, केले और मशरूम को करें डाइट में शामिल।

नए कार्य की शुरुआत से पहले करें ये काम

कई बार व्यक्ति को अपने मन मुताबिक सफलता प्राप्त नहीं होती। ऐसे में यदि आपको भी किसी नए काम की शुरुआत में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इन ज्योतिष टिप्स को अपना सकते हैं। इसके साथ ही यह भी जानते हैं कि नई नौकरी जॉइन करने से पहले किन बातों का ध्यान रखने से व्यक्ति को लाभ मिल सकता है।

जरूर देखें शुभ मुहूर्त

यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करने जा रहे हैं तो इसके लिए शुभ मुहूर्त जरूर देखना चाहिए। इसके साथ ही नए काम की शुरुआत के लिए सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार का दिन बहुत ही शुभ माना गया है।

जरूर करें ये काम

किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले गणेश जी का पूजन किया जाता है ताकि उस कार्य में सफलता प्राप्त हो। ऐसे में यदि आप कोई नया बिजनेस शुरू करने जा रहे हैं तो सबसे पहले गणेश जी का पूजन करें।

पूजा के दौरान उन्हें दूर्वा जरूर अर्पित करें। ऐसा करने से व्यक्ति को अपने कार्य में सफलता मिलती है।

इन दिन करें जॉइनिंग

अगर आप किसी नई नौकरी में जॉइनिंग करने जा रहे हैं तो ज्योतिष की दृष्टि से शनिवार, गुरुवार या मंगलवार का दिन सबसे उत्तम माना जाता है। इसके साथ ही प्रतिपदा, अमावस्या, षष्ठी एवं अष्टमी को छोड़कर, अन्य तिथियों पर नई नौकरी जॉइन करना शुभ माना जाता है।

चेहरे पर लगाएं ये नेचुरल चीजें

सुबह-सुबह आईने में खुद को निहारना किसे पसंद नहीं होता और खिला-खिला चेहरा नजर आए, तो पूरा दिन कॉन्फिडेंस से भर जाता है। सबकी चाहत होती है कि लोग उनकी खूबसूरती की तारीफ करें। इसके लिए वे तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कोई भी कॉस्मेटिक का ज्यादा समय तक इस्तेमाल आपकी स्किन को खराब कर सकता है। आप अपनी खूबसूरती को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए हमेशा घरेलू नुस्खों का ही इस्तेमाल करें, तो स्किन के लिए बेहतर है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल स्किन के लिए हर तरह से फायदेमंद साबित होता है। इसलिए इसको रात में लगाकर सो जाएं इससे अगली सुबह आपकी स्किन नर्म और मुलायम नजर आएगी।

कच्चा दूध करें अप्लाई

रात में सोने से पहले चेहरे पर कच्चा दूध लगाने से सुबह आपकी त्वचा खिली-खिली नजर आएगी। ये चेहरे के डेड स्किन को हटा देता है जिससे आपकी त्वचा ग्लो करने लगती है।

मसूर दाल का पेस्ट

दूध में भिंगो कर मसूर दाल का पेस्ट बना लें और इसमें थोड़ी सी शहद मिलाकर इसे चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे बाद उसे नॉर्मल पानी से धो लें। आप खूबसूरत खिली-खिली त्वचा।

हल्दी और मलाई

रात में हल्दी पाउडर में मलाई मिलाकर चेहरे पर लगाएं और कुछ समय बाद इसे हाथों से धीरे धीरे रगड़कर गुनगुने पानी से धो लें । इससे आपका चेहरा दमकने लगेगा।

पपीता का पेस्ट

पके पपीते का पेस्ट बनाकर उसे चेहरे पर लगाएं और कुछ देर तक मसाज करें और फिर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर नॉर्मल पानी से चेहरा धो लें।इसके इस्तेमाल से भी चेहरे की रंगत निखरती है।

चंदन और शहद मिलाकर लगाएं

चंदन के फेसपैक में शहद मिलाकर लगाएं और आधे घंटे बाद इसे पानी से धो लें। इससे आपके चेहरे में ग्लो आएगा।

टमाटर और नींबू

टमाटर के रस में नींबू का रस मिलाकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाएं। करीब 30 मिनट बाद साफ कर लें।

शादीशुदा जिंदगी को चाहिए दोनों का सपोर्ट

भाई शादीशुदा लोगों के जीवन में जब तक छोटी-मोटी खटपट न हो, तब तक प्यार और सुकून कहां। इन नोंकझोंक के पीछे कई बार जायज वजहें होती हैं, तो बार ऐसे ही पंगे हो जाते हैं। वैसे एक ऐसा टॉपिक है जिस पर अकसर पत्नियां बिफर जाती हैं और वो हैं पति के दोस्त। जब कभी ब्वॉयज नाइट आउट हो, ट्रिप हो या फिर घर पर लंच, डिनर का इन्विटेशन...बहुत कम चांसेज़ होते हैं जब इसे लेकर आपस में तकरार न हो। ऐसे में पति का पूरा वक्त पत्नी को मनाने में ही चला जाता है। ऐसे बिहेवियर से पति के दोस्तों की नजरों में आपसे ज्यादा आपके पति की इमेज खराब होती है, तो कुछ बातें हैं जिसे ध्यान रखें जब कभी पति के दोस्त घर आएं। आइए जानते हैं इस बारे में।

पति की ताने मारने से बचें

पति की ऐसी कई सारी आदतें हो सकती हैं, जो आपको पसंद नहीं होती, लेकिन इसका दोस्तों के सामने ढिंढोरा पिटना सही नहीं और उसे लेकर ताने तो बिल्कुल न मारें। आप तो कहकर निकल जाएंगी, लेकिन बाद में दोस्त इस पर हर वक्त उनकी चुटकियां लेते हैं जिससे वो इरीटेट होते रहेंगे और आपसे लड़ाई करते रहेंगे।

धमकी देने से बचें

पति जब दोस्तों के साथ हों, तो बार-बार उन्हें धमकियां न दें, ये भी एक तरह का बुरा बिहेवियर है, जो दोस्तों के सामने आप दोनों का मजाक बना सकता है। कोई इश्यू है, तो उन्हें अकेले बुलाकर बताएं। इससे वो सिचुएशन को समझदारी के साथ डील करने की कोशिश करेंगे।

पति को कंजूस न कहें

अगर आपका पति बेफिजूल खर्चे नहीं करता, तो जरूरी नहीं वो कंजूस हो। ऐसा भी हो सकता है कि वो जरूरत की चीज़ें खरीदने में बिलीव करता है, तो उनकी इस आदत को लेकर भी दूसरों के सामने मजाक न बनाएं। इससे उन्हें बुरा लग सकता है।

नाराजगी जाहिर न करें

अगर किसी बात को लेकर पहले से ही नाराज हैं, तो दोस्तों के घर आने पर ओवर रिएक्ट न करें। ऐसा कई बार होता है कि दबा हुआ गुस्सा किसी के सामने आने पर और ज्यादा जाहिर हो जाता है। कई बार तो कपल्स दूसरों के सामने ऐसा बर्ताव भी कर बैठते हैं कि बात में उन्हें पछतावा होता है।

बच्चों की परवरिश

आज के दौर में बच्चों की परवरिश का तरीका काफी बदल चुका है। बदलते परिवेश की वजह से बच्चों की परवरिश मौजूदा समय में काफी मुश्किल हो गई है। बढ़ती महंगाई और बदलती लाइफस्टाइल की वजह से आजकल माता-पिता दोनों की कामकाजी हो चुके हैं। ऐसे में इन दिनों काम के बढ़ते प्रेशर की वजह से लोग अक्सर अपने परिवार और बच्चों को टाइम नहीं दे पाते हैं। अक्सर वर्किंग पेरेंट होने की वजह से अभिभावक बच्चों पर सही तरीके से ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में बच्चे अपने पेरेंट्स से दूर होने लगते हैं और इसकी वजह से वह कई बार गलत रास्तों पर चले जाते हैं। अगर आप भी एक वर्किंग पेरेंट हैं, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो एक वर्किंग पेरेंट को अपने बच्चों को सही परवरिश के लिए जरूर अपनानी चाहिए।

सुबह जल्दी उठें

माता-पिता और बच्चे सभी सुबह जल्दी उठें। सुबह जल्दी उठने से आप पाएंगे कि आपको एक दिन में अपने लिए काफी समय मिल जाता है। इस समय को आप अपने बच्चे के साथ शेयर करने के लिए चुनें। बच्चे को स्कूल जाने के टाइम से पहले उठाएं। इससे बच्चे की आदत और उनका स्वास्थ्य दोनों में ही सुधार आएगा। बच्चे के साथ बैठ कर योग करें, उन्हें सूर्योदय और आकाश दिखाएं, प्रकृति से भी जुड़ने के संस्कार आते हैं । साथ ही वह आपके साथ अधिक समय भी व्यतीत कर पाते हैं, क्योंकि इसके बाद आप ऑफिस और बच्चा स्कूल के लिए निकल लेगा।

हफ्ते में एक पूरा दिन बच्चे को दें

हफ्ते या दस दिन में एक पूरा दिन बच्चे को समर्पित करें। उनके पसंद का खाना बनाएं, उन्हें मिलकर कहीं घुमाने ले कर जाएं, उनके साथ कोई अच्छी मूवी देखें या फिर बच्चे के पसंद का कोई भी काम जैसे पेंटिंग, डांसिंग, क्राफ्ट वर्क आदि साथ में बैठ कर करें। इससे बच्चा आत्मिक रूप से आपसे जुड़ेगा। अपनी पसंद-नापसंद और अपनी सभी बातें आपसे शेयर करेगा। इससे हफ्ते भर में अगर उसे किसी दिन नेगलेक्ट महसूस हुआ भी होगा तो उस दिन की भरपाई इस प्रकार से हो जाएगी।

दिनभर में आधा घंटा बच्चे की बातें ध्यान से सुनें

बच्चे सवालों का पिटारा होते हैं। उनके मन में लाखों सवाल प्रतिदिन आते हैं और दिन भर की सभी बातें शेयर करने के लिए भी उन्हें किसी की जरूरत होती है। अक्सर वर्किंग माता-पिता यह बोल कर बच्चे को चुप करा देते हैं कि "अभी नहीं बोलो बेटा, बाद में बताना, अभी मैं बिजी हूं"। जायज है कि आप वास्तव में व्यस्त हो सकते हैं, लेकिन ऐसे में एक रूटीन ऐसी बनाएं, जिसमें अपने बच्चे के सभी जिज्ञासु सवाल और उसकी दिनभर की बातें आप ध्यान से सुनें।

डार्क चॉकलेट से जुड़ें हैं सेहत के कई फायदे

डार्क चॉकलेट खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है। इसके साथ ही, यह आपकी सेहत के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसमें ज्यादा एंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो आपकी स्किन को बेहतर बनाने में मददगार होते हैं। यह फ्री-रेडिकल डैमेज से बचाव करता है और साथ ही, कोलेस्ट्रॉल को कम कर दिल की सेहत का भी ख्याल रखता है। इसके अलावा, ब्लड प्रेशर और इंफ्लेमेशन कम करने में भी यह काफी मददगार हो सकता है।

ब्राउनी

एक पैन में पानी में डालें और उसके ऊपर कटोरे में डार्क चॉकलेट को काट रखें और पिघला लें। जब चॉकलेट पिघल जाए, तो उसे हटा कर, साइड में ठंडा होने के लिए रख लें। एक बड़े कटोरे में आटा, कोको, बेकिंग सोडा मिलाएं। इसके बाद पिघलाई हुई चॉकलेट में चीनी, कॉफी, वेनिला और छाछ मिलाएं। इसमें थोड़ा पानी मिलाएं और अंडे को तोड़कर इसमें मिलाएं। इसके बाद इसमें आटा और कोको का मिश्रण मिलाएं। अब इस मिश्रण को टिन में डालें और 30 मिनट के लिए बेक करें।

चॉकलेट फ्रिज केक

ड्राई फ्रूट्स को जूस में डालें और 2 मिनट तक माइक्रोवेव करें। इसके बाद चॉकलेट को एक बाउल में लें और उसमें मक्शन और गोल्डन सिरप डालकर माइक्रोवेव में गर्म कर लें। इसके बाद एक कटोरे में बिस्कुट तोड़ें और उसके साथ पिघली हुई चॉकलेट और जूस में भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स मिलाएं। इसके बाद, इसे बेकिंग ट्रे में डालें और अच्छे से फैलाकर, इसे रातभर फ्रिज में रखें। अगले दिन आप इसे चौकोर टुकड़ों में काट लें और आपका केक तैयार है।

चॉकलेट टी केक

एक कटोरे में क्रीम चीज और चीनी को अच्छे से मिला लें। इसके बाद, पंपकिन, पाई मसाला और वनिला को मिलाएं। इसके बाद इसमें क्रैकर्स तोड़कर मिलाएं। इसके बाद इसे फ्रिज में मिलाएं। इसके बाद इसे एक ट्रे में पंपकिन के मिश्रण को रखें और फ्रिज में ठंडा होने के लिए रखें। माइक्रोवेव में, चॉकलेट पिघलाएं; चिकना होने तक हिलाएँ। ट्रफ़ल्स को चॉकलेट में डुबोएं; अतिरिक्त को टपकने दें।

हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करें

आपने कई दफा पढ़ा और सुना होगा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। इसकी शुरुआत कभी भी की जा सकती है। यह ताउम्र चलने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जिसके जरिये हम निरंतर अपने कदम बेहतरी की दिशा में आगे बढ़ा रहे होते हैं। कुछ नया सीखने का जज्बा हमारे व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास में सहायक होता है। अगर हम नया सीखना छोड़ दें तो हमारे लिए तरक्की के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे और जिंदगी बोझिल-सी लगने लगेगी। इसलिए हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश में जुटे रहना चाहिए। इसके लिए बहुत दूरगामी योजनाएं बनाने या बड़े संकल्प लेने की जरूरत नहीं है, बल्कि आप रोजमर्रा की दिनचर्या में छोटी-छोटी कोशिशों से सीखते हुए भी धैर्य के साथ आगे कदम बढ़ा सकती हैं।

पहचानें अपनी रुचि

अगर आप कुछ नया सीखना चाहती हैं, तो सबसे पहले अपनी रुचि और शौक को पहचानें। यह समझने की कोशिश करें कि किस तरह के काम को करने से आपको सबसे ज्यादा खुशी मिलती है? कौन-सी बातें आपको सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं? फिर सीखने के लिए वही काम चुनें, जिससे आपको सच्चे आनंद की अनुभूति होती है। वह काम कुछ भी हो सकता है... डांस, म्यूजिक, पेंटिंग कुकिंग या बागवानी। आपको जो भी पसंद हो उसमें कुछ और नया सीखने की कोशिश में जुटे रहें। कुछ नया सीखने की उपलब्धि के अहसास से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

हुनर को संवारें

अगर आपके अंदर कोई खास हुनर है तो अपने प्रयास से उसे और अधिक निखारने की कोशिश करें। जया शौकिया तौर पर बेकिंग करती थीं और घर पर अकसर केक पेस्ट्री बनाती थीं, फिर उन्होंने इस कौशल को निखारने के लिए बेकिंग क्लासेज में जाना शुरू किया और कोर्स पूरा करने के बाद वह इस कला में पारंगत हो गईं। कोविड के समय जब उनके पति की नौकरी चली गई, तो कॉलेज के दिनों का यही पुराना शौक उनकी आजीविका सहारा बन गया। आज उनके स्टार्टअप से अच्छी आमदनी होती है।

निर्धारित करें छोटे लक्ष्य

अगर आप कुछ नया सीखना चाहती हैं तो इसकी शुरुआत छोटे-छोटे कार्यों से करें। पहली बार में कोई ऐसी योजना न बनाएं, जिसके लिए बहुत ज्यादा समय और पैसे खर्च करने की जरूरत हो। एक साथ बहुत कुछ सीखने की बजाय एक बार एक ही लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और उसे पूरा करने की कोशिश में जुट जाएं।

खबर-खास

ग्राम छोटे जल्ली में छापेमार कार्यवाही कर 15 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त

मुंगेली(समय दर्शन)। जिला मुंगेली में अवैध शराब पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर आबकारी विभाग की कार्यवाही लगातार जारी है। इसी तारतम्य में आबकारी विभाग मुंगेली द्वारा ग्राम छोटे जल्ली में छापेमार कार्यवाही कर 15 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त किया गया।

जिला आबकारी अधिकारी श्री रविशंकर साय ने बताया कि आरोपी भोपसिंह कुर्रे के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की गैर जमानती धारा 34(1)(क), 34(2) तथा 59(क) के तहत वैधानिक प्रकरण दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में अवैध शराब एवं अपराधिक गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा आगे भी ऐसी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाई में आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

डीईओ ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छटन का आकस्मिक निरीक्षण

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी. डाहिरे ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छटन का आकस्मिक एवं सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में संचालित प्री-बोर्ड एवं प्रायोगिक परीक्षाएं पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से जारी पाई गईं। निरीक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षा कक्षों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा में पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रश्नपत्र हल करने, सभी प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट एवं पूर्ण रूप से लिखने तथा समय का सही प्रबंधन करने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान जिला मिशन समन्वयक अशोक कश्यप सहित स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण मौजूद रहे।

ऑल इण्डिया टाइगर एस्टीमेशन का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

कवर्धा (समय दर्शन)। ऑल इण्डिया टाइगर एस्टीमेशन 2026 के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 जनवरी को काष्ठागार सभागार कवर्धा में सफलतापूर्वक हुआ। कार्यक्रम का आयोजन वनमंडलाधिकारी, कवर्धा निखिल अग्रवाल के निर्देशन में अधीक्षक भोरमदेव अभ्यारण्य कवर्धा श्रीमती अनीता साहू के मार्गदर्शन एवं के.के. साहू, परिक्षेत्र अधिकारी भोरमदेव अभ्यारण्य कवर्धा के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण में ऑल इण्डिया टाइगर एस्टीमेशन 2026 के फेज 1 के प्रथम एवं द्वितीय चरण के क्रियान्वयन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। यह गणना कार्य 12.01.2026 से कवर्धा वनमंडल अंतर्गत वन क्षेत्रों में प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यक्रम के दौरान एम-स्ट्राइप ईकोलॉजिकल मोबाइल एप के माध्यम से वन्यप्राणी गणना की प्रक्रिया, डेटा संकलन एवं अपलोडिंग संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। वनमंडल के समस्त क्षेत्रों में वन्यप्राणी गणना कार्य हेतु संबंधित क्षेत्रीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधीक्षक, भोरमदेव अभ्यारण्य कवर्धा, परिक्षेत्र अधिकारी भोरमदेव अभ्यारण्य, समस्त प्रशिक्षु वनक्षेत्रपाल, संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध गांजा के खिलाफ कार्यवाही में दो विधि से संघर्षरत बालक सहित 5 गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। ''ऑपरेशन निश्चय'' के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज,रायपुर अमरेश मिश्रा के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्षन में रेंज स्तर पर ऑपरेषन निष्चय चलाया जा रहा है।जिसके परिपालन में समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अवैध गांजा,हीरा के साथ वन्य जीवों के तस्करी पर रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देषित किया गया था।जिसमे 14 जनवरी को थाना प्रभारी फिंगेष्वर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि उडिसा से कुछ अवैध गांजा तस्कर छुरा रोड़ होते हुए फिंगेष्वर की ओर गांजा परिवहन एवं बिक्री करने के लिए आ रहा है।मुखबीर की सूचना तस्दीक पर थाना प्रभारी फिंगेष्वर के द्वारा थाना के सामने स्टाफ लगा कर संदिग्ध वाहन की चेकिंग की जा रही थी।चेकिंग के दौरान मुखबीर द्वारा बताए गये वाहन के हुलिआ एवं नम्बर के आधार पर संदिग्ध वाहन को रोकर समक्ष गवाहन के वाहन चालक एवं वाहन में बैठे व्यक्तियों सहित बालक सही 4 व्यक्ति घटना स्थल पर उपस्थित मिले।

कृतिका को मिला मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ

सरकार ने हॉस्पिटल में कृतिका के इलाज के लिए 16 लाख 50 हजार रुपये की दी मदद

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार की 'मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना' राज्य के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ा सहारा बनकर उभरी है। योजना के तहत दुर्लभ और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब 25 लाख रुपये तक की अधिकतम सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। इस योजना की सफलता का एक बड़ा उदाहरण जिले की बालिका कृतिका निषाद बनी हैं। कृतिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए, जिले के कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग को लाभ दिलाने हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर विभाग द्वारा पत्राचार कर त्वरित कार्रवाई करते हुए फेर्टिस अस्पताल, गुरुग्राम में उसके उच्च स्तरीय इलाज के लिए 16,50,000 रुपये की राशि स्वीकृत की। इस वित्तीय सहायता ने न केवल कृतिका के परिवार को आर्थिक कर्ज से बचाया, बल्कि उसे उचित और समय पर इलाज की सुविधा भी सुनिश्चित की। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य

विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस योजना ने अत्यंत जटिल मामलों में राहत पहुँचाने के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है अब तक 54 गंभीर मामलों में कुल 2,04,12,134 रुपये की सहायता राशि वितरित की जा चुकी है। इस राशि का उपयोग लिवर, किडनी ट्रांसप्लांट, कैंसर और हृदय रोगों जैसे महंगे उपचारों के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, राज्य का कोई भी नागरिक धन के अभाव में इलाज से वंचित न रहे। यही सरकार की प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिक पोर्टल पर जाकर पात्र लाभार्थी इस योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। यह योजना उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जिनके पास आयुष्मान भारत या अन्य बीमा योजनाओं की सीमा समाप्त हो चुकी है या जिनकी बीमारी का खर्च सामान्य सीमाओं से कहीं अधिक है।

कोसा पालन हितग्राहियों के लिए पाँच दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण प्रारंभ

मुंगेली(समय दर्शन)। कोसा पालन में वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन एवं गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि करने तथा हितग्राहियों को वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक ज्ञान दिलाने के उद्देश्य से विकासखंड पथरिया अंतर्गत ग्राम किरना में 05 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से कोसा पालन से जुड़े हितग्राहियों के कौशल उन्नयन एवं आय में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण में 18 कोसा पालन हितग्राही सहभागिता कर रहे हैं।

सहायक संचालक रेशम घनश्याम सिंह ध्रुव ने बताया कि प्रशिक्षण का समापन 16 जनवरी को होगा। उन्होंने बताया कि पाँच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान उन्नत तकनीक से कोसा पालन, कोसा उत्पादन में वृद्धि, बीजागार प्रबंधन, रेशम कीट रोग प्रबंधन, चाकी कुप्पी पालन तथा प्रक्षेत्र के समुचित रखरखाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रीय रेशम बोर्ड के विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में केंद्र प्रभारी उमाशंकर यादव, वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्रीमती अंजना दुबे सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जमानत के बाद जेल से रिहा हुए विधायक बालेश्वर साहू, समर्थकों का उमड़ा सैलाब

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू को सेशन कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आज जिला जेल खोखरा से रिहा कर दिया गया, विधायक की रिहाई की खबर मिलते ही जेल परिसर खोखरा में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक विधायक के स्वागत के लिए मौजूद रहे इस दौरान ढोल-नगाड़ों के साथ गाजे-बाजे बजे और जमकर आतिशबाजी की गई। जेल से बाहर आने के बाद विधायक बालेश्वर साहू सीधे बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के पास पहुंचे, जहां उन्होंने माल्यार्पण कर संविधान के प्रति आस्था व्यक्त की, इसके बाद वे अपने वाहन में संविधान की पुस्तक लेकर सवार हुए और सत्यमेव जयते का उद्घोष किया, समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फर्जी मामले में फंसाया गया है और राज्य सरकार के दबाव से किसान राजकुमार शर्मा द्वारा एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया। मीडिया से बातचीत में विधायक बालेश्वर साहू ने कहा कि पिछले करीब 10 वर्षों से उन पर सहकारी बैंक से किसान की पर्ची और पासबुक रखकर लोन लेने का आरोप लगाया जा रहा था, लेकिन अब तक हुई तमाम जांच में उनके खिलाफकोई भी ठोस सबूत या फर्जीवाड़ा सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने उन्हें जमानत दी है और वे न्यायाधीश को प्रणाम करते हैं। यह सत्यमेव जयते की जीत है, संविधान की जीत है और उस समाज के युवाओं की जीत है जो सच्चाई के साथ खड़े हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले की कहानी मनगढ़ंत है। जिन लोगों ने फर्जी केस दर्ज कराकर अपनी रोजी-रोटी चलाई और संपत्तियां बनाई हैं, उनके खिलाफ जांच होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से भी आग्रह किया कि मामले की गंभीरता को समझते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाए और सच्चाई सामने लाई जाए। बालेश्वर साहू ने कहा कि वे न्याय और संविधान में पूरा भरोसा रखते हैं। जेल से बाहर आने के बाद अब उनका पूरा ध्यान जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास पर रहेगा। उन्होंने कहा, जिसे जो करना था उसने कर लिया, अब मुझे अपना काम करना है और अपने क्षेत्र के लोगों के लिए पूरी ताकत से काम करना है।

विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय घिवरा का मामला

स्कूल परिसर में लगा ट्रांसफार्मर, दुर्घटना को कर रहा आमंत्रण

बिर्रा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला परिसर घिवरा में लगा विद्युत ट्रांसफार्मर किसी बड़े दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। जो बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। स्कूल में रोजाना सैकड़ों की संख्या में बच्चे पढ़ने आते हैं। जिम्मेदार शिक्षा विभाग और विद्युत विभाग की लापरवाही से ट्रांसफार्मर का इस तरह खुला और असुरक्षित होना कभी भी बड़ी घटना घट सकता है।

गौरतलब है कि विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला घिवरा के विद्यालय परिसर में स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर को लगाकर विद्युत विभाग खुला छोड़ दिया है। बिना सुरक्षा और घेरा किए विद्युत ट्रांसफार्मर को खुला में लगाना विद्युत विभाग के अधिकारियों की घोर लापरवाही को उजागर करता है।

इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने कई बार संबंधित शिक्षा विभाग और विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी लिखित में दिया गया है।लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। बारिश के मौसम में करंट फैलने और हादसे की आशंका और भी बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट नहीं किया गया या उचित सुरक्षा घेरा नहीं बनाया गया, तो भविष्य में गंभीर हादसा हो सकता है। जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और विद्युत विभाग की होगी।

बहरहाल कारण चाहे जो भी हो शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला घिवरा पढ़ने वाले बच्चों को विद्यालय परिसर में विद्युत विभाग के द्वारा ट्रांसफार्मर लगाकर खुला छोड़ने से बेवजह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर अध्ययन करने वाले छोटे-छोटे बच्चों ने ट्रांसफार्मर को अन्यत्र हटाने की मांग किए हैं।

ट्रांसफार्मर को अन्यत्र हटाने के लिए शिक्षा विभाग के अलावा विद्युत विभाग को भी कई बार पत्राचार किया जा चुका है।

श्रीमती अनीता पांडेय
प्रधान पाठक
शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला घिवरा

शीघ्र ही विद्युत ट्रांसफार्मर को विद्यालय परिसर से अन्यत्र हटाया जाएगा।

छत्रपाल दीवान
सहायक अभियंता
विद्युत उप संभाग, हसौद

विकास कार्यों हेतु 54.78 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 54.78 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री गजेंद्र यादव द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन संबंधित क्रियान्वयन एजेंसी कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पालिक निगम दुर्ग के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की गई है। इसमें वार्ड क्रमांक 48 न्यू पुलिस लाईन दुर्ग में दुर्गा मंदिर के पास डोम शेड निर्माण कार्य हेतु 9.99 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 28 पचरी पारा के बांस पारा में डोम शेड निर्माण कार्य हेतु 9.90 लाख रुपए तथा वार्ड क्रमांक 35 बाबा रामदेव मंदिर वार्ड में नदी रोड नयापारा चौक के पहले हत्यारा खाई तालाब के पास डोम शेड निर्माण कार्य हेतु 9.90 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार, वार्ड क्रमांक 25 स्टेशन रोड हनुमान मंदिर के समीप डोम शेड निर्माण कार्य हेतु 9.00 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 25 अग्रसेन चौक के समीप डोम शेड निर्माण कार्य हेतु 6.00 लाख रुपए तथा वार्ड क्र. 60 कातुलबोड़ पश्चिम में पशुपतिनाथ मंदिर के पास डोमशेड निर्माण हेतु 9.99 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिला मंत्री की उपस्थिति में खंड टोली का गठन

बसना (समय दर्शन)। बसना प्रखण्ड के भूकेल में विश्व हिन्दू परिषद् के खण्ड टोली का बैठक आयोजन किया गया।

बैठक में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री बसंत देवता की उपस्थिति में खण्ड टोली का गठन किया गया एवं उर्जावान स्वयं सेवकों को दायित्व दिया गया। बैठक के दौरान खण्ड टोली के कार्य को विस्तार से समझाया गया ।दायित्वों की घोषणा प्रखंड मंत्री भूपेंद्र शर्मा ने किया।

बैठक में बजरंग दल के जिला सहसंयोजक अभिषेक दास एवं बजरंग दल प्रखंड संयोजक नीरज दास उपस्थित रहे। खण्ड टोली में अध्यक्ष छदा चरण बारिक, उपाध्यक्ष पूर्णिमा पारेश्वर ,मंत्री जयंत पटेल, सह मंत्री टीकम लाल कश्यप, सेवा प्रमुख राजा राम भोई ,सत्संग प्रमुख परशुराम ,गौ रक्षा प्रमुख शिवा मानिकपुरी ,सत्संग प्रमुख बिहारी लाल पटेल को दायित्व दिया गया। जिला मंत्री ने कहा कि टोली के गठन से भूकेल खंड में लव जिहाद,धर्मांतरण ,गोतस्करी, छुआछूत के भेदभाव पर रोक लगेगी ,आशा है कि भूकेल खण्ड से संगठन को एक नया ऊर्जा मिलेगी एवं संगठन का विस्तार होगा ।

जिला मंत्री के द्वारा कहा गया कि खण्ड टोली अब प्रत्येक गांव में प्रवास कर ग्रामीण समिति का गठन कर व्यक्ति निर्माण, ग्राम स्वच्छता, नशामुक्ति,जल संरक्षण,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, घर परिवार के सभी कामो में आवश्यक पारिवारिक संवाद,समरसता के साथ हम सभी हिन्दू भाई भाई है इस भाव से अश्पृश्यता निवारण,हिन्दुत्व तथा राष्ट्र

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक मरीजों का हुआ परीक्षण व उपचार

विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में मिली गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के मार्गदर्शन में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 से अधिक मरीजों का हुआ परीक्षण व उपचार किया गया, इनमें ब्लड प्रेशर, मधुमेह, खांसी, सर्दी, बुखार सहित मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच व अन्य आवश्यक परीक्षण किए गए। साथ ही गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों की विशेष जांच कर उन्हें समय पर चिकित्सकीय सलाह एवं उपचार प्रदान किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय के एम.डी. मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. सिदार तथा चिकित्सा अधिकारी डॉ. हर्षा राय द्वारा मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई। चिकित्सकों ने रोगों से बचाव, दवाइयों के सही उपयोग, संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने तथा किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। क्षेत्र के नागरिकों ने शिविर में बड़ी संख्या में शामिल होकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार का लाभ उठाया। इस दौरान स्वास्थ्य अमला मौजूद रहा।

कमला कॉलेज में महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला : 'मेस्ट्रल हेल्थ एंड हाईजिन' पर जोर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालयए राजनांदगांव में महिला प्रकोष्ठ द्वारा मेस्ट्रल हेल्थ एंड हाईजिन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. अंजली अवधिया की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि डॉ. सुरभि महोबे, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अंबालिका ठाकुर स्त्री रोग विशेषज्ञ ने छात्राओं को माहवारी के दौरान होने वाली समस्याओं और उससे संबंधित रोगों के बारे में गहन जानकारी दी। डॉ. सुरभि महोबे ने समाज में स्त्री रोगों से संबंधित मिथकों का खंडन करते हुए उन्हें नष्ट करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं, डॉ. अंबालिका ठाकुर ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व को बताया और छात्राओं एवं महिला प्राध्यापकों को इस दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यशाला के दौरान बाल विवाह की रोकथाम के लिए उपस्थित सभी को शपथ दिलाई। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. युगेश्वरी साहू ने कार्यशाला के बहुआयामी उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जबकि कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीलम राम धनसाय द्वारा किया गया। छात्राओं ने इस अवसर पर अपने स्वास्थ्य संबंधित सवालों का समाधान विशेषज्ञों से प्राप्त किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य शिक्षकगण एवं छात्राएं भी उपस्थित थीं, जिनमें डॉ. बृजबाला उड़के, डॉ. नीता एस नायर, डॉ. उषा सोनवानी, डॉ. चेतना गुप्ता, डॉ. दुर्गा शर्मा, श्रीमती खुशबू राजपूत, श्रीमती कामिनी देवांगन, कु. प्रिया तलरेजा, कु. गीता साहू, कु. हर्षा कुशवाहा, श्रीमती शैलजा तिवारी एवं श्रीमती सानवी पंजवानी सहित कई लोग शामिल थे।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती नीलम राम धनसाय ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमूह का धन्यवाद ज्ञापित किया।

यह कार्यशाला छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई, जो महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में सहायक बनी।

राज्यव्यापी आपका पूंजी आपका अधिकार अभियान के तहत सफलतापूर्वक सक्रिय हुए डीईएएफ़ खाते

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य में वित्तीय सेवा विभाग एवं भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आपका पूंजी आपका अधिकार जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत पूरे प्रदेश में डीईएएफ़(10 वर्ष या उससे अधिक समय से निष्क्रिय) खातों के सक्रियण हेतु विशेष शिविरों का आयोजन 04 अक्टूबर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक किया गया। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को उनके निष्क्रिय पड़े खातों में जमा राशि की जानकारी देना एवं वैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से खातों को पुन: सक्रिय कर राशि का भुगतान सुनिश्चित करना था। अभियान के अंतर्गत सरकारी विभागों के साथ-साथ आम नागरिकों के बचत खातों को भी शामिल किया गया। जिले के विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों द्वारा इस अवधि में 387 डीईएएफ़ खातों को सफलतापूर्वक सक्रिय करते हुए कुल 2.09 करोड़ की राशि संबंधित खाताधारकों को भुगतान की गई।

शासकीय आदर्श महाविद्यालय महासमुन्द लोहराकोट में प्राचार्य ने किया पदभार ग्रहण

सांकरा (समय दर्शन)। शासकीय आदर्श महाविद्यालय महासमुन्द (लोहराकोट) में दिनाँक 13 01.2026 को प्राचार्य प्रो. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल डी. लिट् का आगमन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

इस दौरान महाविद्यालय के सभी अतिथि व्याख्याता, हास्टल वार्डन फ्लेश दीवान एवं सहायक ग्रेड 3 रामधीन सेन्दरिया उपस्थित रहे, तत्पश्चात् माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्राचार्य महोदया ने औपचारिक रुप से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के पश्चात् अपनी प्रथम सम्बोधन में प्राचार्य महोदया ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, अनुशासन, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने विद्यार्थियों

के सर्वांगीण विकास, नैतिक मूल्यों के संवर्धन तथा शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होने यह भी कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरुप शिक्षण पद्धतियों में सुधार कर महाविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता के शिखर तक पहुँचाने का निरंतर प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथि व्याख्याताओं एवं कर्मचारियों ने प्राचार्य महोदया का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं शोध गतिविधियों के क्षेत्र में नई उपलब्धियाँ प्राप्त करेगा। अंत में प्राचार्य महोदया ने अपने अनुभव को साझा करते हुए सभी को प्रोत्साहित किया और साथ ही महाविद्यालय को सुचारु रुप से कियान्वित करने के लिए सभी को अपने-अपने दायित्वो से अवगत कराया।

खबर-खास

अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर कार्रवाई, कुल 217 कट्टा धान एवं पिकअप वाहन जप्त

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में बीती रात विभिन्न स्थानों पर संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 217 कट्टा धान एवं पिकअप वाहन जप्त किया गया। बसना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम कुरचुंडी में अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए 80 पैकेट धान जब्त किए गए। धान का परिवहन बिना वैध दस्तावेजों के किया जा रहा था, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसी प्रकार पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम भुरकोनी में संजय अग्रवाल के गोदाम में छापेमार कार्रवाई के दौरान 137 बोरी धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया। जब्त किए गए धान को आगे की कार्रवाई हेतु मंडी अधिनियम के तहत मंडी सचिव को सुपुर्द किया गया है। साथ ही बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम शिकारिपाली, तेंदूकोना क्षेत्र में अवैध धान से भरी एक पिकअप वाहन को जप्त किया गया। वाहन में भरा धान अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। वाहन को जब्त कर संबंधित प्रकरण दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि जिले में अवैध धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

चुहका स्कूल में न्योता भोज का आयोजन

साजा (समय दर्शन)। बुधवार को शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला चुहका में मकर संक्रांति पर्व पर समस्त शिक्षको के सहयोग से न्योता भोज का आयोजन किया गया। न्योता भोज में चावल, दाल,सब्जी,खीर-पूड़ी, पापड़,तिल का लडडू बांटी गई। इस मौके पर एसएमसी अध्यक्ष उषा यादव, सदस्य पीला राम पटेल, दारा सिंह पटेल, भागीरथी पटेल, सोहागा बाई, पंच खोमलाल पटेल, रामजी पटेल, परस पटेल,पालक गण व संकुल समन्वयक पीलू राम साहू, प्रधान पाठक कन्हैया लहरे, विकास चौबे, अय्यूब खान, लोकेश साहू, खेमलाल पटेल, तीजराम ठाकुर,संजय सरकार,हेमलाल साहू व स्कूल के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे । इस अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चुहका प्रधान पाठिका मंजुलता ध्रुवे, प्राथमिक प्रधान पाठक रिखीराम यादव , शिक्षक दीपक कुमार राजपूत,अलमुदास महिलांगे,प्रकाश साहू, किशन लाल ठाकुर उपस्थित रहे। रसोइयां गीता बाई पटेल, प्रतिमा पटेल का न्योता भोज में विशेष योगदान रहा।

मातृ एवं शिशु चिकित्सालय व जिला अस्पताल बेमेतरा में व्यवस्थाओं के सुधार हेतु प्रशासनिक पहल

बेमेतरा (समय दर्शन)। मातृ एवं शिशु चिकित्सालय तथा जिला अस्पताल बेमेतरा में उपलब्ध व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की गई है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि संस्थान में आधारभूत सुविधाओं के सतत सुधार हेतु आवश्यक कदम पहले से ही उठाए जा रहे हैं। मातृ एवं शिशु चिकित्सालय भवन के ड्रेनेज सिस्टम में निर्माण काल से तकनीकी त्रुटि होने के कारण जल निकासी में समस्या उत्पन्न होती रही है। इस संबंध में जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया था। उनके निर्देशानुसार ड्रेनेज सुधार कार्य हेतु सीजीएमएससी के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर राज्य नोडल एजेंसी आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, रायपुर को 65.41 लाख रुपये का प्राक्कलन भेजा जा चुका है।

बैलाडीला आयरन ओर माइन (बचेली कॉम्प्लेक्स) ने खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह में जीते कई प्रतिष्ठित पुरस्कार

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। एनएमडीसी की बैलाडीला लौह अयस्क खान, बचेली कॉम्प्लेक्स ने नवें खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह 2025-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण पुरस्कार हासिल किए हैं। भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम), रायपुर क्षेत्र के तत्वावधान में आयोजित इस सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 11 जनवरी 2026 को मायरा रिसॉर्ट एंड कन्वेंशन सेंटर, रायपुर में संपन्न हुआ।

यह सप्ताह 10 नवंबर 2025 से 15 नवंबर 2025 तक परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली तथा मुख्य महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में मनाया गया। समापन समारोह में ए-1 खानों की श्रेणी में बचेली कॉम्प्लेक्स को निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गए: अपशिष्ट प्रबंधन ङ्क प्रथम पुरस्कार, व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक विकास - द्वितीय पुरस्कार, पर्यावरण निगरानी - द्वितीय पुरस्कार, जिम्मेदार खनन: सतत विकास की ओर एक कदम - तृतीय पुरस्कार, इन पुरस्कारों को मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) टी. शिवा कुमार के नेतृत्व में खनन, प्रशिक्षण, सुरक्षा एवं पर्यावरण, सिविल तथा भूगर्भ विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने ग्रहण किया। पुरस्कार वितरण भारतीय खान ब्यूरो, रायपुर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।

यह उपलब्धि एनएमडीसी की जिम्मेदार खनन, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बचेली कॉम्प्लेक्स लगातार पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाकर खनन क्षेत्र में उत्कृष्टता का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

वनांचल में आदिवासियों को गर्म वस्त्र बांटकर नर सेवा ही नारायण सेवा का दिया संदेश

युवा कांग्रेस का मानवीय सेवा अभियान

कवर्धा (समय दर्शन)। भारतीय युवा कांग्रेस कवर्धा विधानसभा द्वारा कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए वनांचल एवं दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर गर्म कपड़ा वितरण अभियान 12 जनवरी राष्ट्रीय युवा दिवस पर चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों सहित समाज के सबसे कमजोर वर्गों को कंबल, स्वेटर, जैकेट एवं अन्य गर्म वस्त्र भोरमदेव चौरा में वितरित किए गए। यह सेवा कार्य पूरी तरह से मानवीय संवेदनाओं और नर सेवा ही नारायण सेवा की भावना से प्रेरित रहा।

युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष वाल्मिकी वर्मा ने बताया कि अभियान की शुरूआत युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत भारतीय संस्कृति को पूरे विश्व में प्रचार प्रसार करने वाले स्वामी विवेकानंद जी के तैलचित्र पर पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ किया। युवा कांग्रेस केवल राजनीति तक सीमित संगठन नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा भाव से पहुंचना उसका मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि बढ़ती ठंड को देखते हुए यह अभियान प्रतिवर्ष की भांति आगे भी निरंतर जारी रहेगा,ताकि कोई भी जरूरतमंद ठंड के कारण पीड़ित न हो। श्री वर्मा ने कहा सेवा ही सच्ची राजनीति है। जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सुरक्षित और सम्मानित नहीं होगा, तब तक हमारा दायित्व समाप्त नहीं होता।

अध्यक्ष श्री वर्मा कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत के महान संत, दार्शनिक, विचारक और युगद्रष्टा थे। उनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ। बचपन से ही वे विलक्षण प्रतिभा के धनी थे और आध्यात्मिक प्रश्नों के प्रति गहरी जिज्ञासा रखते थे। वे श्री रामकृष्ण परमहंस के शिष्य थे, जिनसे उन्हें आत्मज्ञान और सेवा का मार्ग मिला। स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय संस्कृति, वेदांत दर्शन और मानवता के संदेश को न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में फैलाया। उन्होंने उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत का संदेश देकर युवाओं में आत्मविश्वास, साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया। उन्होंने हमेशा कहा कि गरीबों, पीड़ितों और वंचितों की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। उनके अनुसार समाज का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब हर व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त हो। स्वामी जी ने महिलाओं की शिक्षा, सम्मान और समान अधिकारों पर विशेष बल दिया और उन्हें राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया।

युवा कांग्रेस समन्वय विधानसभा कवर्धा अश्वनी वर्मा ने कहा कि कवर्धा विधानसभा के भोरमदेव क्षेत्र एवं आसपास के वनांचल गांवों तरफशीतकालीन में सर्दियों के दिनों में ठंड अत्यंत ज्यादा हो जाता है। ऐसे में गरीब एवं आदिवासी परिवारों के लिए ठंड से बचाव एक बड़ी चुनौती बन जाता है। इन्हीं कठिन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए युवा कांग्रेस ने गांव चौरा दार्शनिक स्थल भोरमदेव में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों तक राहत पहुंचाने का संकल्प लिया और उसे धरातल पर उतारने का कार्य किया।

कांग्रेसी सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने फैला रही भ्रम, बैठकों का क्रम निरंतर जारी है - कीर्ति नायक

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कांग्रेसी नेताओं व सदस्यों द्वारा मीडिया के माध्यम से जनपद अध्यक्ष और सीईओ के मध्य मन मुटाव के कारण तीन माह के बैठक नहीं होने का खंडन किया है।जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा कि सामान्य सभा की बैठक को लेकर कांग्रेसियों द्वारा फैलाया जा रहा भ्रम पूरी तरह तथ्यहीन और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। कांग्रेस केवल अपनी गिरती हुई लोकप्रियता को बचाने के लिए सस्ती राजनीति कर रही है। वास्तविकता यह है कि जनपद पंचायत पाटन की सामान्य सभा की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गई हैं।

जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा कि 26 नवंबर 2025 को अंतिम बैठक हुई है और उसके पहले भी नियमित बैठक हुई है। जनपद पंचायत सीईओ को स्ढ्ढक्रका नोडल अधिकारी बनाया गया और विभाग के अधिकांश अधिकारी स्ढ्ढक्र में व्यस्त थे इसलिए दिसम्बर माह का बैठक नहीं हो पाया है। आगे उन्होंने कहा कि स्ढ्ढक्र एक जरुरी प्रक्रिया है इसलिए स्ढ्ढक्रको प्राथमिकता दिया गया था ताकि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित ना हो जाए। इसके लिए पूरा प्रशासनिक अमला लगा हुआ था।

जनपद पंचायत अध्यक्ष नायक ने आगे कहा कि जनपद पंचायत के बैठकों में विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति, जनसमस्याओं तथा प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाती है। आगे फिर उन्होंने दोहराते हुए कहा कि दिसंबर माह में बैठक नहीं होने का कारण भी पूर्णत: स्पष्ट और प्रशासनिक रहा है। इस अवधि में शासन द्वारा स्ढ्ढक्र कार्य सौंपा गया था, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अमले की पूर्ण सहभागिता आवश्यक थी। इसी कारण दिसंबर माह में सामान्य सभा की बैठक आयोजित नहीं हो सकी। हम आगामी दिनों में शीघ्र ही यह बैठक आयोजित करेंगे और सभी एजेंडों पर बिंदुवार चर्चा करेंगे। आगे जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक ने कहा कि जनपद पंचायत पाटन में विकास कार्य सतत रूप से चल रहे हैं और प्रशासन पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहा है। कांग्रेस को तथ्यों की जानकारी होने के बावजूद जनता को गुमराह करने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। जनता अब सब समझती है। विकास बनाम भ्रम की राजनीति में भाजपा पूरी मजबूती से जनता के साथ खड़ी है, जबकि कांग्रेस केवल सुर्खियाँ बटोरने की कोशिश कर रही है।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, गुणवाा व समय-सीमा सर्वोपरि-कलेटर

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में संचालित विकास एवं निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा एवं उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। यह निर्देश कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को दिए। कलेक्टर ने जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित सड़क एवं संरचना कार्यों, मंडी बोर्ड अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों, शासकीय स्कूल भवनों, पुल-पुलिया निर्माण, सड़क विकास कार्यों तथा 14वें एवं 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत सभी विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन निर्माण कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करते हुए कार्य में गति लाई जाए। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। सभी कार्य स्वीकृत तकनीकी मानकों, डिज़ाइन एवं गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडों के अनुसार ही पूर्ण किए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं कार्य एजेंसियों को नियमित स्थल निरीक्षण, सतत मॉनिटरिंग और फील्ड स्तर पर प्रभावी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) अंतर्गत गोदामों, भवनों एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं से जुड़े निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि खाद्यान्न भंडारण एवं वितरण से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र पूर्ण किया जाए, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने कहा कि स्कूल भवन, सड़क, पुल-पुलिया, मंडी परिसर एवं अन्य सार्वजनिक उपयोग के भवन सीधे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े होते हैं। इसलिए इन कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता अनिवार्य है।

ब्रिलिएंट पलिक स्कूल, बनारी जांजगीर में लोहड़ी, मकर संक्रांति एवं पोंगल का भव्य आयोजन

जांजगीर (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनाँक-14 जनवरी 2026 को भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से 13 जनवरी 2026 को लोहड़ी तथा 14 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति एवं पोंगल पर्व का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक आयोजन में विद्यालय परिवार के साथ-साथ छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विविधता का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत 13 जनवरी को लोहड़ी पर्व से हुई। लोहड़ी मुख्य रूप से पंजाब और उत्तर भारत का प्रमुख पर्व है, जो फसल कटाई और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक माना जाता है। बच्चों ने लोहड़ी के लोकगीत गाए और पारंपरिक पंजाबी नृत्य भांगड़ा एवं गिद्धा प्रस्तुत कर वातावरण को उल्लासपूर्ण बना दिया। विद्यालय के शिक्षिका श्रीमती मनदीप कौर ने विद्यार्थियों को लोहड़ी के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पर्व किसानों के परिश्रम और प्रकृति के प्रति धन्यवाद ज्ञापन का प्रतीक है। 14 जनवरी 2026 को विद्यालय में मकर संक्रांति एवं पोंगल पर्व का संयुक्त आयोजन किया गया। मकर संक्रांति भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है। यह पर्व देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। विद्यालय में इस पर्व को राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा-तीसरी, चौथीं, सातवीं एवं नवमीं के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। मकर संक्रांति के अवसर पर बाल-वाटिका के विद्यार्थियों ने पतंगबाजी, तिल-गुड़ के महत्व पर आधारित भाषण, कविता पाठ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। शिक्षकों ने बताया कि तिल-गुड़ आपसी प्रेम, सौहार्द और मधुर संबंधों का प्रतीक है। विद्यालय परिसर में रंग-बिरंगी पतंगों की सजावट की गई, जिसने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इसी दिन दक्षिण भारत के प्रमुख पर्व पोंगल का भी आयोजन किया गया। पोंगल तमिलनाडु का प्रसिद्ध फसल उत्सव है, जो चार दिनों तक मनाया जाता है और किसानों की समृद्धि एवं प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करता है। विद्यालय में पोंगल पर्व को पारंपरिक तरीके से मनाया गया। कक्षा-ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने पोंगल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व सूर्य देव, धरती माता और पशुधन के सम्मान का प्रतीक है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर पियुष जायसवाल को मिला छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान

बेमेतरा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राजधानी में आयोजित भव्य राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व उपमुख्यमंत्री अरुव देव साव ने बेमेतरा जिले के होनहार युवा वैज्ञानिक, रिसर्चर, एस्ट्रोफिजिक्स के सबसे कम उम्र के युवा वैज्ञानिक, पीएचडी प्राप्त, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड व स्वर्ण पदक विजेता डॉ पियुष जायसवाल को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किए हैं, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार, एवं सी बी एस ई के प्रमुख ने पियुष जायसवाल को पूर्व में सम्मानित कर चुके हैं, एवं भारत सरकार के द्वारा तीन मूर्ति भवन प्रधानमंत्री संग्रहालय सभागार नई दिल्ली में पियुष जायसवाल को स्वर्ण पदक, मेमोंटो व सर्टिफिक्रेट के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रेस्ठ पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका हैं। छत्तीसगढ़ से छत्तीसगढ़ ''युवा रत्न'' ''युवा'' सम्मान से युवा दिवस के उपलक्ष्य में सम्मानित होनर के लिए यह अवॉर्ड इस वर्ष 2025 से

ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के ओर से प्रांरभ किया गया है। जिसमें ''छत्तीसगढ़ युवा रत्न युवा'' सम्मान के लिए पियुष जायसवाल ने 1016 युवाओ को पीछे छोड़ते हुए यह सर्वश्रेष्ठ व उच्च स्थान के साथ यह पुरुस्कार को प्राप्त किए हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से बेमेतरा जिला गौरवान्वित हुआ है और जिले का नाम प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी रोशन हुआ है। बचपन से ही उनकी शिक्षा, अनुशासन और वैज्ञानिक सोच अत्यंत मजबूत रही है। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा से लेकर कक्षा आठवीं तक डीएवी में अध्ययन करते हुए अनेक उपलब्धियां हाशिल किए हैं।

// न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./202512101000172/ब-121
वर्ष 2025-26

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका करूणा गोड आ. रघुबीर गोड़ निवासी कुरूद भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने स्वयं की जन्म दिनांक 03.05.1992 को कुरूद भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) में होने के कारण जन्म प्रमाण हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में आवेदक द्वारा अनुपलब्धता प्रमाण पत्र,शपथ पत्र, आवेदन पत्र, पार्षद द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्र, अंकसूची,आधार कार्ड की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को इस संबंध में आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 30.01.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 24.12.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

// न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./202512101000173/ब-121
वर्ष 2025-26

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका तुलेश ठाकुर आ. रघुबीर गोड निवासी कुरूद भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने स्वयं की जन्म दिनांक 03 .05.1988 को कुरूद भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) में होने के कारण जन्म प्रमाण हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में आवेदक द्वारा अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आवेदन पत्र, पार्षद द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्र, अंकसूची, आधार कार्ड की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को इस संबंध में आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 30.01.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 24.12.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

कार्यालय अधीक्षक अभियंता
लोक निर्माण विभाग,दुर्ग मण्डल दुर्ग(छत्तीसगढ़)

दूरभाष-0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 09.01.2026

(ई प्राक्योरमेंट निविदा सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र अ में प्रतिशित दर पर दिनांक 27.01.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
327/183608	कवर्धा उपसंभाग के अंतर्गत 05 मार्गो में समय-समय पर स्वीकृत मार्गो में विशेष मरम्मत कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	113.96
328/183609	बोड़ला उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न समय-समय पर स्वीकृत मार्गो में विशेष मरम्मत, एफ. डी. आर. कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	161.71

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्या की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब **potal** एवं विभागीय वेबसाइट **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाऊनलोड की जा सकती है।

2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधिक्षक अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी-252605995/2

पुराने चेहरों को तरजीह, नए कार्यकर्ताओं में नाराज़गी

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा से सियासी हलचल

गरियाबंद से रायपुर तक गूंज

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में कांग्रेस संगठन द्वारा नई ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। एक ओर पार्टी नेतृत्व इसे संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बता रहा है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर सक्रिय नए और युवा कार्यकर्ताओं को मौका न मिलने से नाराज़गी खुलकर सामने आ रही है। यह असंतोष केवल गरियाबंद जिले तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसकी गूंज राजधानी रायपुर तक सुनाई दे रही है।

सूत्रों के अनुसार हाल ही में जारी की गई ब्लॉक अध्यक्षों की सूची में अधिकांश पुराने और स्थापित चेहरों को ही दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई है,और उन्हीं के चलते लोकसभा, विधानसभा , नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है।

पार्टी के भीतर यह चर्चा आम है कि वर्षों से संगठन में सक्रिय रहने

वाले युवा और मेहनती कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई है, जबकि चुनावी समय में इन्हीं कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

नाराज़ कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी मंचों से भले ही युवा और नए चेहरों को आगे लाने की बात की जाती हो, लेकिन व्यवहार में फैसले कुछ प्रभावशाली नेताओं और गुटीय संतुलन के इर्द-गिर्द ही सिमट कर रह जाते हैं। कई कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नियुक्तियों में जमीनी फीडबैक और संगठनात्मक रिपोर्ट को दरकिनार कर व्यक्तिगत नजदीकियों को प्राथमिकता दी गई। एक युवा कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि हमने गांव-गांव जाकर पार्टी का झंडा उठाया, बूथ संभाले, लेकिन जब जिम्मेदारी देने की बारी आई तो हमें बाहर कर दिया गया। इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है। ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा के बाद गरियाबंद में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं की अनौपचारिक बैठकें हुईं, जहां नाराज़गी खुलकर सामने आई। वहीं बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस भवन में शाम चार बजे तक ताला लटका रहा और सन्नाटा पसरा रहा, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज रहीं। कार्यकर्ताओं ने नियुक्तियों पर पुनर्विचार की मांग भी उठाई है।

अंमाद गोंड समाज में भी नाराज़गी

नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में गोंड समाज की बहुलता होने के बावजूद कांग्रेस संगठन में उन्हें अपेक्षित प्रतिनिधित्व न मिलने से समाज के लोगों में भी नाराज़गी देखी जा रही है।

घोषित ब्लॉक अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस संगठन द्वारा जिन नेताओं को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, उनमें— गरियाबंद ब्लॉक से अमित मिरी, शहर गरियाबंद से प्रेम सोनवानी, फिंगेश्वर से रुपेश साहू, छुरा से महेश्वरी शाह, मैनपुर से रामकृष्ण ध्रुव, अमलीपदर से ललिता यादव,देवभोग से भूपेंद्र मांझी शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि गरियाबंद और छुरा ब्लॉक में ही नए चेहरों को अवसर दिया गया है, जबकि शेष स्थानों पर पुराने ब्लॉक अध्यक्षों को ही दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे युवा कार्यकर्ताओं में असंतोष और गहरा गया है।

गौरतलब है कि 15 फरवरी को कांग्रेस जिला मुख्यालय में जिला अध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह प्रस्तावित था, लेकिन ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। इसे लेकर भी शहर में तरह-तरह की चर्चाएं रहीं।

इस पूरे मामले पर जब गरियाबंद कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता नाराज़ हैं, उन्हें मना लिया जाएगा। यह नियुक्तियां प्रदेश संगठन द्वारा की गई हैं। जिन कार्यकर्ताओं को अभी स्थान नहीं मिल पाया है, उन्हें आगे संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी। नाराज़ कार्यकर्ताओं की किसी बैठक की जानकारी मुझे नहीं है, इस विषय में जानकारी ली जाएगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शपथ ग्रहण समारोह को मनरेगा बचाओ, मजदूर बचाओ अभियान के कारण स्थगित किया गया है। प्रदेश संगठन से समय मिलने पर एक साथ शपथ ग्रहण कराया जाएगा।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते इस नाराज़गी को दूर नहीं किया गया, तो इसका असर आगामी चुनावों में पार्टी की एकजुटता और जमीनी पकड़ पर पड़ सकता है। फिलहाल कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह संगठनात्मक संतुलन बनाए रखते हुए असंतुष्ट कार्यकर्ताओं को कैसे साधती है। ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा से उठी यह खलबली आने वाले दिनों में और तेज होगी या पार्टी नेतृत्व इसे शांत कर पाएगा, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने की जिले के सभी बैंक प्रबंधकों के साथ बैठक

लंबित लोन प्रकरणों पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी, शीघ्र स्वीकृत करने के दिए निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़, (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में जिले के समस्त बैंकों के शाखा प्रबंधकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों में लंबित विभागीय, समूह, व्यावसायिक एवं शैक्षणिक लोन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बिलाईगढ़ स्थित भारतीय स्टेट बैंक में विभागीय ऋण प्रकरणों के लंबे समय से लंबित होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें शीघ्र लोन स्वीकृत करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार इंडियन बैंक पेंड्रावन शाखा में लंबित विभागीय ऋण प्रकरणों का भी तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के विभिन्न एसबीआई शाखाओं में समूह ऋण (समूह लोन) के अनेक प्रकरण लंबित हैं, जिससे हितग्राहियों को अनावश्यक परेशानी हो रही है। उन्होंने सभी संबंधित बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में यह भी सामने आया कि एसबीआई सारंगढ़ शाखा में विगत 6 माह से विभिन्न योजनाओं की स्वीकृत राशि का भुगतान नहीं किया गया है तथा बैंक ऋण प्रक्रिया लंबित है। इस पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित ऋण प्रकरणों को शीघ्र स्वीकृत कर राशि का वितरण किया जाए।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि जिला स्तरीय बैठक की कार्यवाही (प्रोसीडिंग) के अनुसार जिस-जिस बैंक में जो-जो ऋण प्रकरण लंबित हैं, उनका समय-सीमा में निराकरण किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों को जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जीवन ज्योति बीमा योजना से संबंधित क्लेम प्रकरणों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जीवन ज्योति योजना का कोई भी दावा प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए और सभी क्लेम का तत्काल निराकरण किया जाए। इसके साथ ही व्यवसाय, शिक्षा एवं स्वरोजगार से संबंधित ऋणों प्रकरणों का निपटारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार किया जाए और कोई भी पात्र हितग्राही को विलम्ब न हो। बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा नाबार्ड बैंक का बुकलेट भी जारी किया गया। उन्होंने बैंक और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जिले में लोन की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित जिले के सभी राष्ट्रीयकृत, ग्रामीण एवं सहकारी बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सरकार की विभिन्न योजनाओ में लोन लेने पर अनुदान का लाभ सीधे हितग्राहियों को मिलता है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान अंतर्गत विद्यार्थियों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

भ्रमण में जिले के सभी विकासखंड से चयनित छात्र छात्राएं शामिल रहे

महासमुन्द (समय दर्शन)। समग्र शिक्षा के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान अंतर्गत जिले के प्रारंभिक एवं सेकेंडरी स्तर के विद्यार्थियों को राज्य के बाहर चडी से शैक्षणिक भ्रमण हेतु उड़ीसा राज्य के क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र भुवनेश्वर,आउटडोर साइंस पार्क,विज्ञान व गणित दीर्घा,कलिंगा आई टी,जूलॉजिकल पार्क,कोणार्क सूर्य मंदिर आदि का शैक्षणिक भ्रमण जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह,जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश नंदनवार,जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे,जिला परियोजना अधिकारी रेखराज शर्मा के निर्देशन,सहायक कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती सम्पा बोस एवं सुबोध कुमार तिवारी के नेतृत्व में जिलेभर के विभिन्न विकासखंड से आठ प्रभारी शिक्षकों के साथ 22 छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। भुवनेश्वर के क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र में छात्र-छात्राएं कई शैक्षिक लाभदायक ज्ञान प्राप्त कर वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझ पाए। विभिन्न प्रदर्शनी,अंतरिक्ष विज्ञान,सौर परिवार, पृथ्वी के बारे में विस्तृत जानकारी,3डी शो, विज्ञान पार्क,प्रागेतिहासिक जीवन पार्क आदि देखकर छात्र-छात्राएं काफी खुश व प्रसन्न नजर आए। उच्च रैंकिंग प्राप्त संस्था कलिंगा आई आई टी जाकर शिक्षण एवं शोध की बारिकियों को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। कोणार्क के वास्तुकला एवं कुछ वैज्ञानिक अवधारणाओं को भी समझ पाए।

इस अवसर पर सहायक कार्यक्रम समन्वयक सम्पा बोस ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के महत्व को बताते हुए कही कि- ऐसे भ्रमणों से छात्र-छात्राओं को जिज्ञासु बनाने, विज्ञान विषय को रूचिकर बनाने, वैज्ञानिक सोच बढ़ाने, करके सीखने के माध्यम से विज्ञान विषय को सरल,मनोरंजक बनाते हुए समाज में वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने और पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। सहायक कार्यक्रम समन्वयक सुबोध कुमार तिवारी ने शैक्षणिक भ्रमण के महत्व को बताते हुए कहा कि - इससे छात्र-छात्राओं को व्यवहारिक तरीकों से चीजों को देखने और समझने का अवसर प्राप्त होता है इस प्रकार का ज्ञान पुस्तकों के द्वारा प्राप्त नहीं किया जा सकता है। डीएमसी रेखराज शर्मा ने बताया कि- ऐसे भ्रमणों से छात्र-छात्राओं में निरीक्षण, कल्पना आदि शक्ति का विकास होता है। विज्ञान शिक्षक,जिला शैक्षिक एवं विज्ञान परिषद् महासमुंद के बसना ब्लॉक नोडल प्रेमचन्द साव ने बताया कि- विज्ञान की अवधारणाएँ हमारे जीवन को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाती हैं।

ये छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शामिल रहे

विकासखंड बसना से प्रभारी शिक्षक प्रेमचन्द साव के साथ छात्र-छात्राओं में आरती साहू,योगेश मेहेर,सजनी निषाद,कोमल चौधरी,पीएम श्री सेजेस बसना से शिक्षक लक्ष्मण पटेल, छात्र पियुष प्रधान,महासमुंद से शिक्षक श्रीमती भारती सोनी के साथ विजय कुमार साहू,मधु यादव,काव्यांश साहू,पल्लवी साहू,पीम श्री तुमगांव से शिक्षक सुरेश कुमार यादव,छात्र अजय पटेल, बागबाहरा से शिक्षक योगेश साहू के साथ छात्र लोमेश यदु,छाया, मीनाक्षी साहू,डिंपल दीवान, पीएम श्री सेजेस बागबाहरा से शिक्षक मनप्रीत कौर बग्गा, छात्रा अदिति पाठक आदि उपस्थित थे।

,पिथौरा से शिक्षक भानूप्रताप पटेल, छात्र रितेश पटेल,पिलेश कुमार,पायल ध्रुव,गुलशन साहू,सरायपाली से शिक्षक सुब्रत कुमार प्रधान, छात्र रूपेश कुमार चौधरी,सैयद आयशा,अमन बेहरा शैक्षणिक भ्रमण में शामिल रहे।

छात्र छात्र-छात्राओं में अदिति पाठक,छाया,आरती साहू, व्याख्याता मनप्रीत कौर बग्गा आदि द्वारा शैक्षणिक भ्रमण के अपने अनुभवों को साझा किया गया। अदिति व आरती साहू ने कहा कि यह भ्रमण अत्यंत सफल और ज्ञानवर्धक रहा। सीखने कि यह अनुभव सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

दंतेवाड़ा पुलिस ने 18 उत्कृष्ट वाहन चालकों को किया सम्मानित

'सारथी सम्मान कार्यक्रम' के तहत नशामुक्त, नियमपालक और सेवा-भावी ड्राइवरों को मिला प्रशंसनीय सम्मान

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. के. बर्मन एवं उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) नसर उल्लाह सिद्धिकी के मार्गदर्शन में यातायात शाखा दंतेवाड़ा द्वारा 'सारथी सम्मान कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत 18 ऐसे उत्कृष्ट वाहन चालकों को सम्मानित किया गया, जिनका सड़क पर वाहन चलाते समय आचरण एवं व्यवहार अनुकरणीय रहा है। ये चालक निम्नलिखित गुणों के लिए चुने गए: नशा रहित वाहन संचालन, यातायात नियमों की पूर्ण जानकारी एवं पालन, वाहनों का नियमित एवं बेहतर रख-रखाव, सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को तत्परता से अस्पताल पहुंचाने में नि:स्वार्थ सहयोग

चयनित वाहन चालकों को शाल, श्रीफल भेंट कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. के. बर्मन द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों में आत्मविश्वास बढ़ाना, सड़क सुरक्षा को मजबूत करना, यातायात नियमों के अनुपालन के लिए प्रेरित करना तथा नि:स्वार्थ सेवा भावना को प्रोत्साहित करना है। समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. के. बर्मन, जिला परिवहन अधिकारी गौरव पाटले, निरीक्षक/यातायात प्रभारी विजय कुमार राठौर, सउनि जितेन्द्र त्रिपाठी, अर्जुन मण्डावी सहित यातायात शाखा के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह पहल दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जो समाज में सकारात्मक उदाहरण स्थापित करेगी।

लोकतंत्र की नींव मजबूत करने के अभियान मे विधायक डॉ. संपत ने एसआईआर बैठक में किया प्रेरित

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने युवाओं से नाम जुड़वाने की अपील की,कहा-कोई पात्र मतदाता न छूटे

शुद्ध मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव की पहली शर्त: विधायक डॉ. संपत अग्रवाल

बसना (समय दर्शन)। बसना में निर्वाचन नामावली के सुदृढ़ीकरण और मतदाता जागरूकता को लेकर 'विशेष गहन पुनरीक्षण' कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के निवास में आयोजित बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची की त्रुटियों को सुधारना और पात्र युवाओं का नाम जोड़ने की प्रक्रिया को गति देना था। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने एसआईआर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एसआईआर कार्यक्रम केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने का अभियान है। एक शुद्ध और त्रुटिरहित मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव की पहली शर्त है। प्रत्येक पात्र नागरिक, विशेषकर वे युवा जो हाल ही में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, उनका नाम मतदाता सूची में जुड़वाना अनिवार्य है।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को प्रेरित ताकि करें कोई भी नया मतदाता छूटे। उन्होंने मतदाता सूची में नाम, उम्र या पते की गलतियों को सुधारने के लिए इस अभियान का अधिकतम लाभ उठाने प्रेरित किया।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि मृत या स्थानांतरित हो चुके व्यक्तियों के नाम सूची से हटाए जाएं ताकि डेटा पूरी तरह से पारदर्शी और सटीक रहे। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे ग्रामीणों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करें और उन्हें बताएं कि एक वोट की शक्ति कितनी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बसना विधानसभा क्षेत्र में स्ट्रक्अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाने के मुहिम से जुड़कर योगदान देने की अपील की है। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर अग्रवाल विधानसभा क्षेत्र प्रभारी सारंगढ़ बिलाईगढ़,प्रीत राम सूर्ये, आशीष शर्मा मण्डल अध्यक्ष पिथौरा,जमीन ठक्कर महामंत्री, वीरेंद्र तिवारी उपाध्यक्ष नगर पंचायत पिथौरा,दुलिकेशन साव सरपंच प्रतिनिधि,रविन्द्र खनूजा वरिष्ठ पत्रकार, विकास अग्रवाल वरिष्ठ भाजपा नेता, त्रिलोक आजमानी रा स्वयं सेवक संघ विभाग प्रमुख, श्रीमती गायत्री राजपूत प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर पिथौरा, नरेन्द्र श्रीवास्तव आदि पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

पाटन कालेज में 15 जनवरी को लगेगा यातायात जागरूकता कैंप

पाटन (समय दर्शन)। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दुर्ग के तत्वाधान में 1 से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान मनाया जा रहा है इसके अंतर्गत पाटन के शासकीय चंदूलाल चंद्राकर आर्ट्स एवं साइंस महाविद्यालय में 15 जनवरी को परिवहन विभाग के द्वारा महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को वाहन संचालन में सावधानी एवं आर टी ओ द्वारा मांगे जाने वाले कागजात की जानकारी दी जावेगी इसके अलावा इच्छुक छात्र छात्राओं के लर्निंग लायसन्स बनाए जाएंगे लर्निंग लायसन्स के लिए आधार ,पेन कार्ड एवं दो रंगीन फेटो लेकर आने की बात परिवहन विभाग ने कही है।

मकर संक्रांति पर स्कूली बच्चों को तिल का लड्डू वितरण किया

पाटन (समय दर्शन)। मकर संक्रांति के अवसर पर आज सांकरा के स्कूल में बच्चों को तीली लड्डू का वितरण किया गया। सरपंच रवि सिंगौर ने बधाई देते हुए बच्चों को हमेशा आगे बढ़ने का प्रेरणा दिए। इस अवसर पर तुलराम सिंगौर पंच, महेंद्र पारधी पंच सांसद प्रतिनिधि मनहरण सिंगौर कामता सिंगौर छोटू यादव सहित अन्य लोग मौजुद रहे।

शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय केसरा पाटन में मीडिया छात्रों का इंटर्नशिप कार्यक्रम संचालित

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय केसरा पाटन में कक्षा 11वीं एवं 12वीं (मीडिया स्ट्रीम) के विद्यार्थियों हेतु इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया एवं डिजिटल क्षेत्र का व्यावहारिक ज्ञान एवं कार्य अनुभव प्रदान करना है। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वोकेशनल ट्रेनर श्री भारत भूषण साहू के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जिसमें विद्यार्थी विभिन्न संस्थानों में जाकर मीडिया से संबंधित कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती प्रतिभा मौर्य के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। प्राचार्य महोदया ने कहा कि ऐसे कौशल आधारित कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा भविष्य निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। इंटर्नशिप के अंतर्गत विद्यार्थी ओजल कंप्यूटर सेंटर केसरा, माँ शांति स्टूडियो, चॉइस सेंटर बोरेन्दा, चॉइस सेंटर केसरा सहित अन्य स्थानीय संस्थानों में अपनी इंटर्नशिप पूर्ण कर रहे हैं। विद्यालय परिवार द्वारा इस पहल की सराहना की जा रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की योजना है।

डाकघर में अब डिजिटल माध्यम से भुगतान की सुविधा का प्रारंभ

दुर्ग (समय दर्शन)। डाक विभाग डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर हो रहा है इसी कड़ी में अब डाकघर में क्यूआर त्तक्रकोड से स्कैन एवं पोस मशीन से भुगतान करने की सुविधा प्रारंभ हो चुकी है । यह पूरे छत्तीसगढ़ परिमंडल के सभी विभागीय डाकघर में प्रारंभ हो चुकी है । वर्तमान में स्पीड पोस्ट पार्सल एवं अन्य भुगतान हेतु यह सुविधा उपलब्ध है । ग्राहक अपनी स्मार्टफोन /डेबिट/ क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके डाक सेवाओं की फीस का भुगतान कर सकते हैं। डाक विभाग अपने ग्राहकों को तकनीकी आधारित सुगम सुविधाजनक सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायत पर हुई त्वरित कार्रवाई, अहिवारा में अतिक्रमण हटाया गया

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर जनदर्शन में आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर नगर पालिका परिषद अहिवारा में अतिक्रमण हटाए जाने की कार्रवाई 14 जनवरी को किया गया। इस हेतु पूर्व में मुनादी कराया गया था, फिर भी अतिक्रमणकारियों द्वारा कब्जा न हटाए जाने पर आज पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में नगर पालिका की टीम मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अंकुर पाण्डेय एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट श्री राधेश्याम वर्मा तहसीलदार की उपस्थिति में कब्जा हटाने की कार्रवाई दोपहर 3 बजे बस स्टैंड, अटल चौक एवं जे.के. लक्ष्मी सीमेंट बायपास रोड चौक में की गई। सीएमओ से मिली जानकारी अनुसार सड़क बाधा हेतु प्रेमलाल साहू, अनिल, संतु साहू, घनश्याम होटल, पंजाब मेडिकल स्टोर, मनोज देवांगन, लखनलाल देशमुख, गौरव नाहटा एवं विजय अग्रवाल सहित 09 लोगों पर कार्रवाई करते हुए 4500 रुपए की चालान काटा गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26